हरिभूमि रायपुर भूमि

यह आम...है बहुत खास, कीमत पौने तीन लाख रुपए किलो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे आम महोत्सव में इस बार जापान की मशहूर प्रजाति मियाजाकी आम सबका ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसकी कीमत 2.5 से 3 लाख रुपए प्रति किलो तक बताई जा रही है, जिसे सुनकर लोग भी हैरान हैं। गहरे लाल रंग और बेहतरीन मिठास वाले इस आम की खूबसूरती भी लोगों को खूब लुभा रही है। इसके साथ ही महोत्सव में देसी नस्ल का 'हाथीजुड़' आम भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसका वजन करीब ढाई किलो है और आकार हाथी की सूंड जैसा दिखता है। इन खास किस्मों ने आम महोत्सव को और भी रोचक बना दिया है।

■ लाखों में बिक रहा मियाजाकी आम, ढाई किलो का 'हाथीजुड़' बना आकर्षण का केंद्र

मियाजाकी- 2,80,800/-

खबर संक्षेप

अमानत में खयानत आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। माना थाना क्षेत्र में कार किराए पर लेकर किराया नहीं देने तथा कार वापस नहीं लौटाने के आरोपी को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। निलेश बिंझाड़े की शिकायत पर पुलिस ने मोवा निवासी विजय सोनी को गिरफ्तार किया है। विजय के खिलाफ निलेश ने एक वर्ष पूर्व अमानत में खयानत करने की शिकायत दर्ज कराई थी। निलेश ने शिकायत दर्ज कराई थी कि विजय ने 3 जून 2023 को कार किराए पर ली थी, ।दिसंबर तक किराया देने के बाद किराया देना बंद कर दिया और वाहन भी नहीं लौटाया।

डिलीवरी ब्वॉय से मारपीट

रायपुर। डीडीनगर थाने में एक डिलीवरी ब्वॉय ने आइसक्रीम बेचने वाले तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ पैसे देने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मनीष साहू ने रोहित सिंह, अमित सोनी तथा अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है।

तोमर भाइयों की तलाश में जुटी पुलिस, नहीं मिला अब तक किसी प्रकार का सुराग

तोमर ब्रदर्स ने सूदखोरी और वसूली के लिए पाले थे 37 गुंडे, इनमें से 25 गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मारपीट, सूदखोरी तथा घर में हथियार बरामद होने के मामले में अपराध दर्ज होने के बाद वीरेंद्र तथा रोहित तोमर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए हैं। आरोपियों की पतासाजी करने पुलिस उनके छिपने के संभावित ठिकानों पर छापे की कार्रवाई कर रही है, बावजूद इसके दोनों भाई पुलिस पकड़ से बाहर हैं। सूदखोरी मामले में रोहित तथा वीरेंद्र की पत्नी को भी पुलिस ने आरोपी बनाया है, लेकिन उन्हें अब तक पूछताछ के लिए नहीं बुलाया गया है।

पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक वीरेंद्र तथा रोहित ने अपनी सूदखोरी की दुकान चलाने के साथ लोगों को धमकाने के लिए 37 के करीब गुंडे पाल रखे थे, इनमें से 27 गायब हैं। पुलिस उनके बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। रोहित तथा वीरेंद्र का साथ देने ▶▶|शेष पेज 13 पर

हरिभूमि फॉलोअप

सूदखोरी की रकम तथा ज्यादातर प्रापर्टी गुर्गों के नाम

घर को बनाया था अभेद्य किला

पुलिस की किसी भी तरह की कार्रवाई से बचने तोमर भाइयों ने अपने घर को अभेद्य किला बनाया था। सुरक्षा के लिहाज से घर के आसपास कई सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। सीसीटीवी की निगरानी करने अलग से कर्मचारी पाल रखे थे। किसी भी तरह की आपात स्थिति आने पर कर्मचारी इसकी जानकारी वीरेंद्र तथा रोहित को देते थे। इसी का फायदा उठाते हुए दोनों भाई फरार होने में कामयाब हुए।

तोमर बंधुओं का कुचक्र, कर्ज दिया दस लाख ब्याज सहित वसूला सवा करोड़ से ज्यादा

सूदखोरी की रकम पोषित गुर्गों के अकाउंट में

दोनों सूदखोर भाइयों ने ब्याज के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपए की वसूली की है। साथ ही कर्जदारों को धमकाकर उनकी प्रापर्टी अपने नाम की है। इनमें से ज्यादातर प्रापर्टी सूदखोर भाइयों ने अपने कर्मचारियों के नाम से रजिस्ट्री कराई है। जिन कर्मचारियों के अकाउंट में रकम ट्रांसफर की गई है और जिनके नाम पर प्रापर्टी है, वे सभी कर्मचारी गायब हैं। उनके बारे में पुलिस को भी जानकारी नहीं है।

भागने के लिए पुलिस को उलझाया

सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को सुबह पुरानी बस्ती पुलिस की टीम तथा क्राइम ब्रांच की टीम रोहित तोमर की तलाश में उसके घर दबिश देने पहुंची, तब रोहित घर पर ही मौजूद था। पुलिस को घर आते देख रोहित तथा वीरेंद्र ने घर की महिलाओं को आगे बढ़ाते हुए पुलिस को उलझा दिया। पुलिस ने वीरेंद्र के घर पहुंच कर रोहित की तलाश करने की बात कही, तो घर की महिलाओं ने पुलिस को तलाशी के लिए सर्च वारंट का हवाला देकर तलाशी लेने से रोक दिया। इस दौरान वीरेंद्र को भी अपनी गिरफ्तारी का अंदेशा हो गया था। पुलिस के लौटने के साथ ही दोनों भाई मौका देख कर फरार हो गए।

बढ़ गई गर्मी, ड्रिहाईड्रेशन कमजोरी, फीवर के मरीज बढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नौतपा के दौरान राहत देने के बाद बारिश के इंतजार में धरती जमकर तप रही है। वातावरण में मौजूद नमी गर्मी की परेशानी को भी दोगुनी कर रही है। तेज धूप और उमस की वजह से लोग डिहाईड्रेशन के शिकार होकर अस्पताल पहुंचने लगे हैं। पिछले तीन-चार दिनों से कमजोरी के साथ बुखार और पेट संबंधी समस्या लेकर लोग अस्पताल आ रहे हैं। इस बार मई में गर्मी अपना असर नहीं दिखा पाई और तो और नौतपा की अवधि भी बिना भारी गर्मी के बीत गई। जून का महीना इस बार भारी गर्मी लेकर आया है और बारिश के इंतजार में तेज गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। दोपहर की कड़ी धूप के साथ महसूस होने वाली नमी के कारण लोगों के बीमार होने का सिलसिला शुरू हो गया है। नमी की वजह से ज्यादा पसीना निकल रहा है और शरीर में पानी की कमी होने से लोग डिहाईड्रेड होने लगे हैं। चिकित्सकों के अनुसार पिछले काफी दिन मौसम सामान्यतः ठंडा रहा, जिसके बाद मौसम खुला और गर्मी का ▶▶|शेष पेज 13 पर

■ मौजूद नमी दोगुनी कर रही परेशानी, असहजता के साथ पेट संबंधी समस्या बढ़ी

लू का एक भी मरीज नहीं

स्वास्थ्य विभाग के अफसरों को अप्रैल की गर्मी को देखते हुए मई में लू के काफी मरीज सामने आने की आशंका थी। इस आधार पर जिला अस्पताल में लाखों रुपये खर्च कर विशेष लू वार्ड बनाया गया था। इस वार्ड में एसी के साथ आईस बॉथ के लिए टब भी लगाया गया था। अधिकारियों द्वारा इस लू वार्ड का उद्घाटन तो किया गया, मगर वहां अब तक एक भी ऐसा पीड़ित नहीं पहुंचा है, जिसे इस वार्ड में भर्ती कर इलाज की जरूरत हो।

मौसमी बदलाव का प्रभाव

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. निलय मोझरकर ने बताया कि मौसम में आए परिवर्तन की वजह से इस तरह की परेशानी सामने आ रही है। अभी तेज धूप है इसके साथ वातावरण में उमस भी है, जिसकी वजह से शरीर से ज्यादा पसीना निकल रहा है। आने वाले दिनों में बरसात की गतिविधि शुरू होने के बाद यह शिकायत स्वयं खत्म हो जाएगी।

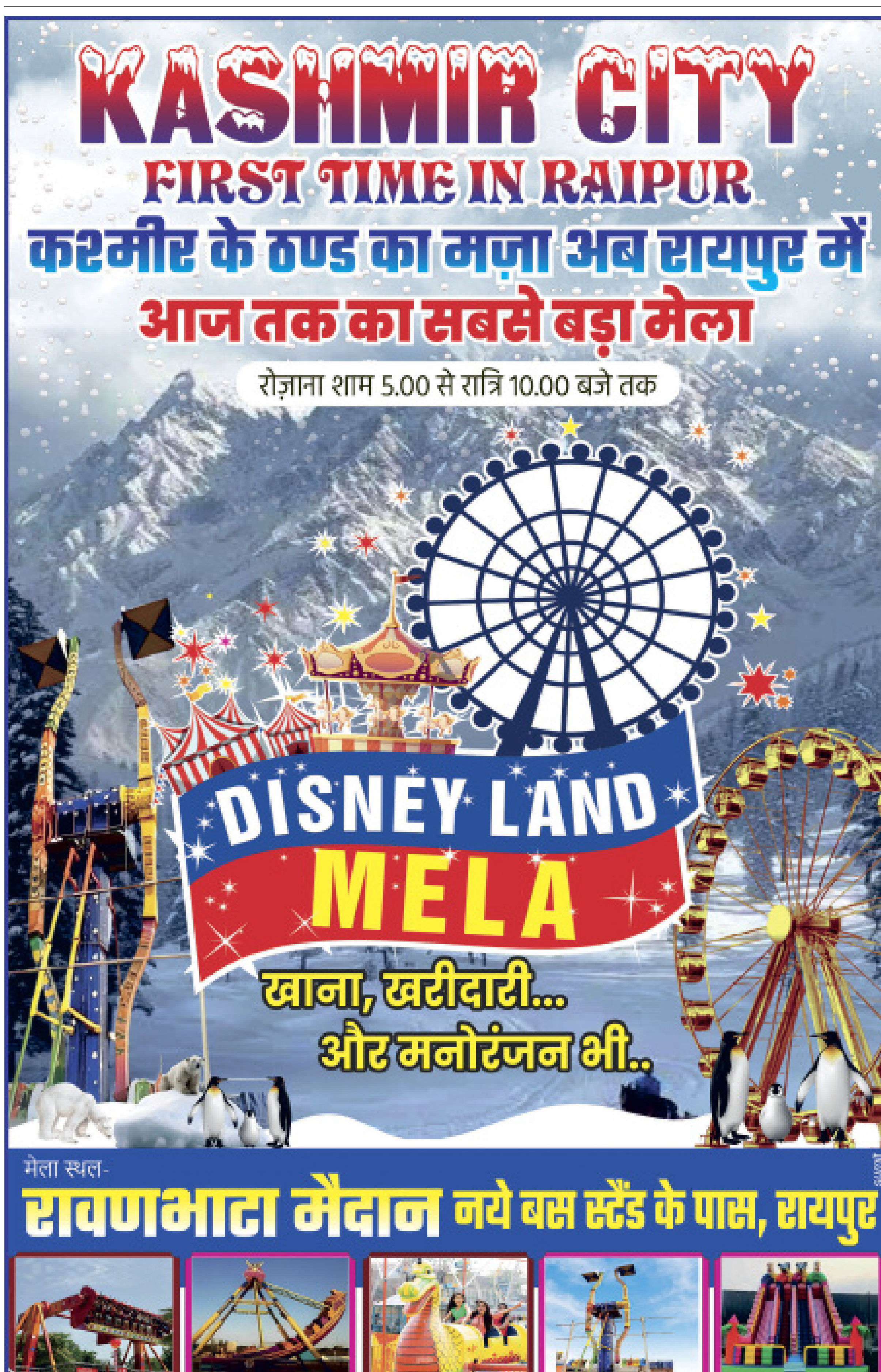

बिजली नियामक आयोग के दो सदस्यों के लिए 70 दावेदार, इस माह नियुक्ति संभव

स्क्रूटनी का काम पूरा, अब कमेटी तय करेगी नियुक्ति के लिए पात्र कौन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बिजली नियामक आयोग में अब तक नए टैरिफ पर फैसला नहीं हो सका है, लेकिन अब इसका रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि बिजली नियामक आयोग में दो सदस्यों के रिक्त पदों के लिए थोक में 70 आवेदन आए हैं। इसकी स्क्रूटनी पूरी कर सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया की जा रही है। आवेदन 5 मई तक मंगाए गए थे, इसके बाद से अब तक प्रक्रिया ही चल रही है। संभावना है कि इस माह सदस्यों की नियुक्ति हो जाएगी।

इसके बाद इसी माह या फिर अगले माह जनसुनवाई होगी और फिर नए टैरिफ पर फैसला होगा। बीते साल जून से ही नया टैरिफ लागू हो सका था। तब लोकसभा चुनाव के कारण मामला अटका था। इस बार सदस्य न होने के कारण मामला अटका है। यह बात भी तय है कि इस साल भी महंगी बिजली का झटका जरूर लगेगा। इस समय बिजली नियामक आयोग में अध्यक्ष के साथ रहने वाले दो सदस्यों के पद खाली हैं। बिना कोरम के किसी भी तरह की सुनवाई नहीं हो सकती। एक सदस्य का कार्यकाल सितंबर 2023 में पूरा हो गया था। एक और सदस्य का कार्यकाल बीते साल जुलाई में पूरा हुआ है। अब तक दोनों पदों पर नई नियुक्ति नहीं हो सकी है। नई नियुक्ति के बाद ही टैरिफ पर जनसुनवाई और नए टैरिफ का फैसला हो पाएगा।

लीगल और तकनीकी सदस्य की होनी है नियुक्ति : प्रदेश के बिजली नियामक आयोग में

अध्यक्ष हेमंत वर्मा के साथ पहले लीगल सदस्य के रूप में विनोद देशमुख और तकनीकी सदस्य के रूप में सीके गुप्ता काम कर रहे थे। इनका कार्यकाल अब समाप्त हो गया है। नए सदस्यों की नियुक्ति के लिए मार्च में कमेटी बनाई गई थी। हाईपॉवर कमेटी में रिटायर जज टीपी शर्मा की अध्यक्षता में मुख्य सचिव और केंद्रीय प्राधिकरण के अध्यक्ष सदस्य रहेंगे। कमेटी बनने के बाद विज्ञापन जारी कर 5 मई तक आवेदन मंगाए गए। इन आवेदनों की अब स्क्रूटनी कर नाम कमेटी के पास भेजे गए हैं। अब कमेटी बैठक के बाद तय करेगी कि कौन नियुक्ति के लिए पात्र हैं। इसके बाद प्रदेश सरकार का ऊर्जा मंत्रालय आदेश जारी करेगा।

बिजली का महंगा होना तय

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने बिजली नियामक आयोग को 2025-26 के लिए जो प्रस्ताव भेजा है, उसमें बताया गया है कि पॉवर कंपनी इस सत्र में 24 हजार 652 करोड़ की बिजली बेचेगी। इसके मुकाबले में पॉवर कंपनी का खर्च 23 हजार 82 करोड़ होगा। ऐसे में पॉवर कंपनी को 1570 करोड़ का फायदा होगा, लेकिन 2023-24 में पॉवर कंपनी को अनुमान से 6130 करोड़ रुपए कम पड़े। ऐसे में इस अंतर की राशि में 1570 करोड़ को घटाने के बाद 4560 करोड़ रुपए का अंतर आ रहा है। इस अंतर की राशि के लिए ही टैरिफ बढ़ाने की मांग है, लेकिन आयोग तय करेगा कि वास्तव में पॉवर कंपनी को कितने पैसों की जरूरत होगी। उसके हिसाब से टैरिफ तय होगा।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नेताम से की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समाजसेवी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम से सौजन्य मुलाकात की। श्री नेताम को हाल ही में संघ मुख्यालय के प्रतिष्ठित आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसे मुख्यमंत्री ने गौरव की बात बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे आयोजन समाजों को और अधिक नजदीक लाने में सहायक होते हैं और जन-जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी प्रोत्साहित करते हैं। भेंट के दौरान श्री नेताम ने बताया कि अपने उद्बोधन में उन्होंने मतांतरण, विकास, पर्यावरण आदि जन सरोकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विमर्श किया, जो समाज के लिए अत्यंत लाभकारी हैं।

एम्स और आयुष विवि के बीच शोध पर एमओयू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा वितरण को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के एमओयू हुआ है। एम्स की ओर से कार्यकारी निदेशक अशोक जिंदल और आयुष विवि से कुलपति प्रो. पीके पात्रा तथा कुलसचिव डॉ. दिनेश कुमार सिन्हा द्वारा हस्ताक्षर किया गया। इस साझेदारी का उद्देश्य फैकल्टी एक्सचेंज, संयुक्त शोध परियोजनाएं, कौशल विकास कार्यक्रम, एकीकृत शिक्षण मॉड्यूल, और शैक्षणिक संसाधनों एवं अधोसंरचना के साझाकरण जैसे क्षेत्रों में अंतर-संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देना है। विशेष रूप से आयुष आधारित एकीकृत चिकित्सीय पद्धतियों, सामुदायिक आउटरीच और बहुविषयक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी ने संभाला पदभार

सीएम साय बोले- मद्दी के मार्गदर्शन में बेवरेज कॉर्पोरेशन में घोटाले-भ्रष्टाचार पर लगेगी लगाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष के तौर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रीनिवास राव मद्दी के कार्यकाल में पूरी ईमानदारी के साथ यह विभाग पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से काम करेगा और प्रदेश का राजस्व बढ़ाने का कार्य होगा। श्री साय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस की पिछली भूपेश-सरकार में शराब में 2,000 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ था और इस घोटाले में तत्कालीन आबकारी मंत्री कवासी लखमा समेत बहुत-से लोग जेल के अंदर हैं। श्री मद्दी के मार्गदर्शन में अब घोटालों और भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और यह कार्य अच्छा होने के साथ ही साथ ही राजस्व की भी बढ़ोतरी होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शनिवार को यहां साइंस कॉलेज परिसर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में श्री मद्दी के पदभार ग्रहण समारोह में कहा, उनकी सरकार अभी आबकारी विभाग में 200 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर रही है। पिछली भूपेश-सरकार ने नकली होलोग्राम बनाकर शराब घोटाला किया था। भाजपा सरकार में पूरी

पारदर्शिता के साथ काम हो रहा है और आगे भी होगा। बस्तर में शांति-व्यवस्था स्थापित करने में हमारी सरकार लगातार कार्य कर रही है। जवानों के साहस की बदौलत बस्तर में रुके विकास को तेज गति मिली है और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। पशुपालन की शुरुआत भी होंडा गांव से हो गई है। पशुपालन के लिहाज से हमारे वैज्ञानिक बताएंगे कि कैसे उन्हें चारा देना है? प्रदेश में दूध का उत्पादन ज्यादा मात्रा में हो रहा है और अब दूध उत्पादन में भी छत्तीसगढ़ बहुत आगे जाएगा। बोधघाट सिंचाई परियोजना की भी चर्चा हुई है और आने वाले समय में इस परियोजना पर भी काम किया जाएगा।

निगम-मंडलों का महत्व भी अहम : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी कहा, श्री मद्दी पूरी पारदर्शिता के काम करेंगे। डॉ. सिंह ने कहा कि निगम और मंडल के जो अध्यक्ष बने हैं, उनके पदभार ग्रहण समारोह के अधिकांश कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री श्री साय ने शामिल होकर यह बता दिया कि निगम-मंडलों का महत्व कम नहीं है। डा. रमन ने कहा, श्री मद्दी के सामने एक बड़ी चुनौती है क्योंकि पिछली कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में 2000 करोड़ रुपए का शराब घोटाला इसी विभाग में किया है। नकली होलोग्राम लगाकर, नकली शराब की बिक्री करके छत्तीसगढ़ की शराब दुकानों से 2000 करोड़ रुपए प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने गबन किया है। इसलिए भाजपा ने एक ईमानदार व्यक्ति को इस पद पर बिठाया है ताकि सारे कार्य बेहतर तरीके से हो सकें, सरकार के कार्यों को गति मिले और साथ ही राजस्व आय में भी बेहत इजाफा हो।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, श्यामबिहारी जायसवाल, टंकराम वर्मा, सांसद भोजराज नाग, रूपकुमारी चौधरी व महेश कश्यप, विधायक लता उसेण्डी, राजेश मूणत, अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, चैतराम अटामी व प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल तथा महापौर संजय पाण्डेय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

नेताम ने कहा आरएसएस के अनुशासन से हुआ प्रभावित

अरविंद नेताम ने की संघ की तारीफ, बैज से पूछी धर्मांतरण पर कांग्रेस की नीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने कहा है, आरएसएस राजनीतिक संगठन नहीं है, लेकिन वैचारिक चिंतन मंथन होता है। आरएसएस के अनुशासन से मैं प्रभावित हुआ हूं। आरएसएस की भाषा बोलने के बैज के बयान पर उन्होंने पीसीसी चीफ दीपक बैज से पूछा है कि धर्मांतरण को लेकर कांग्रेस की नीति क्या है बताएं? धर्मांतरण को लेकर संघ की नीति स्पष्ट है। श्री नेताम ने शनिवार को राजधानी के एक निजी हॉटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में ये बातें कही। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा संघ से उनका बहुत ज्यादा अट्रेक्शन नहीं रहा है। संघ प्रमुख मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करेंगे, ऐसी मुझे उम्मीद

नहीं थी। अपने 60 साल के राजनीतिक जीवन में राजनीति के साथ समाज के कार्यों में सक्रिय रहा, जिसकी वजह से आरएसएस ने मुझे आमंत्रित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और आदिवासी नेता अरविंद नेताम ने कहा कि आदिवासियों की समस्या को लेकर सरकारें बहुत गंभीर नहीं रहीं। चाहे राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार। जब सरकार के स्तर पर हमारी सुनवाई नहीं होगी, तो हम कहां जाएं।

श्री नेताम ने कहा कि आदिवासियों के मुद्दे पर जो मदद करेगा, हम उनके साथ काम करेंगे। आदिवासी समाज के लिए धर्म का मुद्दा बड़ा जटिल है। संघ और आदिवासी समाज के बीच वैचारिक चर्चा कैसे हो? इस सवाल के जवाब में अरविंद नेताम ने कहा, 5 माह पहले जब संघ प्रमुख मोहन भागवत रायपुर आए थे, तब भी उनके साथ बहुत कुछ चर्चा हुई। उसके बाद मंच पर जितने भी मुद्दे उठाया, संघ प्रमुख ने उनके जवाब दिए। संघ मुख्यालय में धर्मांतरण के अलावा जिन प्रमुख मुद्दों को रखा, उनमें जल, जंगल और जमीन का मुद्दा, औद्योगिक नीति पर चिंता करते हुए कहा कि अधिग्रहण मत कीजिए लीज में दीजिए। इससे आदिवासी परिवार का अधिकार रहेगा।

भूपेश ने कहा- नेताम उम्रदराज, उनके विचार और पार्टी बदलते रहते हैं

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आदिवासी नेता अरविंद नेताम के बयान पर आरएसएस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, आरएसएस झूठ की फैक्ट्री है। अरविंद नेताम उम्र दराज व्यक्ति हैं, उनके विचार और पार्टी बदलते रहते हैं। वैचारिक रूप से व्यक्ति की पहचान होती है, जिस व्यक्ति का कोई विचार ना हो उसका जीवन व्यर्थ है। वे आरएसएस कार्यालय से लौटे हैं। आरएसएस कार्यालय से सुनकर आए होंगे, क्योंकि वह झूठ बोलने की फैक्ट्री है। वहां से लगातार झूठ फैलाए जा रहे हैं। भाखड़ा नांगल बांध बना और बिजली उत्पादन को लेकर भ्रम फैलाया। गणेश प्रतिमा तक को दूध पिला देते हैं। छत्तीसगढ़ में ट्रांसफर पोस्टिंग पर बैन हटने के मामले में बीजेपी नेताओं ने बयान दिया कि कांग्रेस में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार हुआ है।

नकटी गांव के लोगों को व्यवस्थापित करें

नकटी गांव में ग्रामीणों के हो रहे प्रदर्शन पर उन्होंने कहा, गांव वालों का समर्थन कांग्रेस पार्टी ने किया है। सरकार को इनको व्यवस्थापित करना चाहिए या फिर विधायकों के लिए दूसरी जगह खोजनी चाहिए। ऐसे किसी गांव को हटा देंगे, तो थोड़ी ना बात बनेगी।

बोधघाट अब उद्योगों के लिए बनाया जा रहा

बोध घाट परियोजना को लेकर प्रधानमंत्री और सीएम साय की मुलाकात पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, बोधघाट परियोजना पेयजल, सिंचाई, निस्तारीकरण के लिए बनाया जा रहा था। अब उद्योगों के लिए बनाया जा रहा है, अंतर यही है। बोधघाट जब बनाया जा रहा था, तो अरविंद नेताम शुरू से विरोध कर रहे थे।

खबर संक्षेप

पनका बने पेंशनर्स संघ के संयोजक

आरंग। पेंशनर्स एसोसिएशन से पंकज नायक जिला अध्यक्ष पेंशनर संघ ने नियम 12 के अनुसार प्रदत शक्ति का उपयोग करते हुए सेवानिवृत्त प्रधान पाठक लक्ष्मण प्रसाद पनका को छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील आरंग का संयोजक बनाया है। इस पर छत्तीसगढ़ शास तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ एवं फेडरेशन संयोजक मानिक लाल मिश्रा, मिलन राम यादव, रामकुमार सिन्हा, पौराणिक साहू, अवध राम वर्मा, राम सिंह महेश्वरी, कोमल भारती गोस्वामी, पेमन लाल साहू, टोप कुमार साहू, मोहन सिंह गौतम, लक्ष्मण राम साहू, अरविंद वैष्णव आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

नरसिंह मंडल का संपूर्ण जीवन समाज के लिए समर्पित

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण और मध्यप्रदेश राज्य परिवहन निगम के पूर्व अध्यक्ष सतलोकी नरसिंह मंडल की 13वीं पुण्यतिथि मनाई गई। यह कार्यक्रम न्यू राजेंद्र नगर स्थित गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन में शनिवार को हुआ।

समस्या : जीवनदायिनी खारुन की आजादी के लिए क्रांति सेना ने की पदयात्रा

उद्योगों के चंगुल ने छीन ली खारुन की स्वच्छता, प्रदूषण ने घर किया तबाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

राजधानी सहित आसपास के सैंकड़ो गांवों के लिए खारुन जीवनदायिनी है लेकिन जन जन जीवनदान देने वाली खारुन उद्योगों के चंगुल में फंसकर सिसक सिसक कर दम तोड़ रही है। पहली बार किसी संगठन ने खारुन की आजादी के लिए जमीनी संघर्ष शुरू किया तो समर्थन में ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। दो ढाई दशक पहले तक जीवनदायिनी खारुन का पानी इतना साफ स्वच्छ था कि नदी में पानी के ऊपर से नीचे की सतह तक साफ दिखाई देती थी न कही जलकुंभी दिखती थी न पानी में कोई गंदगी थी साफ स्वच्छ जल को ग्रामीण पीने में भी उपयोग करते थे किसान सिंचाई करते थे। राजधानी रायपुर के आसपास धरसीवां मुरेठी परसतराई उरला के आसपास के गांवों से होते हुए खारुन सोमनाथ में जाकर शिवनाथ नदी से मिली हैं संगम तट पर सोमनाथ मंदिर है जहां हजारों की संख्या में ग्रामीण तीज तिहार पर पहुंचते है श्रवण मास में यहां का विशेष महत्व है। लेकिन महादेव घांट के आगे से लेकर सोमनाथ के बीच तक खारुन औद्योगिक इकाइयों के चंगुल में फंसकर दम तोड़ने लगी है।

मंदिर हसौद के उद्योग तक जा रहा खारुन का पानी

जीवन दायिनी खारुन का पानी मुरेठी तट से पंप हाउस के माध्यम से करीब पचास किलो मीटर दूर मंदिर हसौद की एक बड़ी औद्योगिक इकाई में भी जाता है साथ ही सिलतरा की कुछ बड़ी औद्योगिक इकाइयों में एवं इस्पात भूमि लिमिटेड के तालाब तक आने के बाद उद्योगों में पानी की सप्लाई होती है। खारुन का पानी जब से औद्योगिक इकाइयों में जाना शुरू हुआ तभी से खारुन मैली होने लगी क्योंकि रायपुर से शुरू हुआ छोकरा नाला भी औद्योगिक इकाइयों के आसपास से होते हुए मुरेठी में जाकर खारुन में मिलता है उसी छोकरा नाले में औद्योगिक इकाइयां अपना केमिकल युक्त पानी छोड़ती हैं इसके अलावा उरला बोरझरा में भी एक बड़ी औद्योगिक इकाई का केमिकल युक्त पानी खारुन में पहुंचने से खारुन सिसक रही है अपना अस्तित्व खोती जा रही है एक ओर जहां खारुन का जल केमिकल युक्त होने से दुर्गंध दे रहा है तो वहीं उसके ऊपर अत्यधिक जल कुंभी होने से खारुन हरी घास के मैदान की तरह दिखाई देती है उद्योगों के चंगुल में फंसने के बाद से खारुन का इतनी अधिक प्रदूषित हो चुकी है कि इसका पानी न तो ग्रामीण निस्तारी के लिए उपयोग कर सकते न पी सकते न खेतों में फसलों में उपयोग कर सकते क्योंकि केमिकल युक्त होने से यह सभी के लिए हानिकारक होगा।

मुरेठी गांव में खारुन पर स्टॉपडेम बना है स्टॉप डेम इसलिए बना ताकि पानी वहां अधिक मात्रा में रुका रहे ओर उसे औद्योगिक इकाइयां अपने उपयोग के लिए उद्योगों में ले जा सकें।

क्रांति सेना ने शुरू की आजादी पदयात्रा

जीवनदायिनी खारुन को उद्योगों के चंगुल से मुक्त कराने क्रांति सेना ने पदयात्रा शुरू की है यह पदयात्रा धरसीवां के विभिन्न गांवों से होते हुए राजधानी रायपुर के करीब पहुंच चुकी है 5जून को महादेव घांट में खारुन दाई की आजादी की यह पदयात्रा विशाल जनसभा में तब्दील होगी।

खारुन का मां की तरह ध्यान रखते तो न होता कभी विरोध

जिस तरह एक मां बच्चे को जन्म देने के बाद उसका लालन पालन करती है ठीक उसी तरह जीवनदायिनी खारुन ने भी अपने सभी बच्चों का लालन पालन में पूरा पूरा ध्यान रखा लेकिन जिस तरह बच्चे मां को मान सम्मान देते हैं उनका सेहत का पूरा ध्यान रखते हैं बीमार होने पर बच्चे उनका तत्काल अच्छे से अच्छा इलाज कराते हैं उस तरह खारुन दाई का ध्यान नहीं रखा गया समय समय पर साफ सफाई कराना तो दूर उसे बीमार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी केमिकल युक्त गंदा पानी नालों का पानी खारुन दाई में छोड़ने से खारुन दाई सिसक रही है यदि उद्योगों ने खारुन दाई के आशीर्वाद से करोड़ो कमाने के बाद उसमें से समुचित रख रखाव में लाखों भी खर्च किए होते तो आज खारुन की यह दुर्दशा न होती न ही ग्रामीणों ओर क्रांति सेना को आंदोलन करने की जरूरत पड़ती।

नेत्र चिकित्सा में योगदान के लिए पीपला फाउंडेशन सम्मानित

आरंग। शनिवार को एमजीएम नेत्र संस्थान रायपुर में कैंप पार्टनर मीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अंधत्व निवारण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पीपला वेलफेयर फाऊंडेशन को सम्मानित किया। इस अवसर पर एमजीएम संस्थान के डायरेक्टर डॉ. दीप शिखा अग्रवाल, रेटिना कसल्टेन डॉ. अनिल गांग्वे, सीओ अनूप जुंबा के करकमलों से पीपला के प्रतिनिधि मंडल महेन्द्र कुमार पटेल, अशोक साहू और प्रतीक टोंड्रे को शाल, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही समाजसेवी महेन्द्र कुमार पटेल को व्यक्तिगत तौर भी सम्मानित किया। वहीं एमजीएम संस्थान के डायरेक्टर डॉ. दीप शिखा अग्रवाल ने पीपला फाउंडेशन द्वारा अंधत्व निवारण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए बधाई दिए हैं। फाऊंडेशन के संयोजक महेन्द्र पटेल ने बताया फाउंडेशन के संयोजन में आरंग क्षेत्र में अनेक शिविरों के माध्यम से अंधत्व निवारण के क्षेत्र में हजारों लोगों का नेत्र जांच, उपचार व आर्थिक रूप से कमजोर करीब 500 से अधिक मोतियाबिंद के मरीजों का संस्थान के माध्यम से निःशुल्क आपरेशन कराने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। वहीं पीपला को सम्मानित किए जाने पर फाउंडेशन के सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है। इस अवसर पर हास्पीटल प्रबंधन से भवानी शंकर, रमेश कुलदीप, उमाशंकर पटेल, हिरेन्द्र साहू, जोशेप कुमार, जनक सेन, मनीष साहू सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी की उपस्थिति रही।

समाज को आर्थिक-राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर

अभनपुर। मरार पटेल समाज की वार्षिक समीक्षा बैठक छोटे उरला स्थित सामाजिक भवन में आयोजित हुई। इस अवसर पर विगत वर्ष में सम्पन्न कार्यक्रमों की समीक्षा, आगामी योजनाएँ और सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत समाज अध्यक्ष ईश्वर पटेल के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने कहा कि मरार समाज अब जागरूक हो रहा है और अब समय है कि आर्थिक एवं राजनीतिक मोर्चे पर समाज को मज़बूत किया जाए। इसके लिए लोगों को सब्जीबाड़ी के अलावा अन्य व्यवसायों में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने मातृशक्ति के महत्व पर बल देते हुए कहा कि पारिवारिक व समाजिक कुरीतियों एवं बढ़ते नशा-पान को रोकने में महिलाओं को नेतृत्व देना होगा। कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र पटेल ने पिछले तीन वर्षों में हुए कार्यों शिक्षा, स्वास्थ्य एवं युवा सशक्तिकरण का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने आगामी पाँच वर्षों में नया रायपुर में कोल्ड स्टोरेज स्थापना हेतु जमीन खरीदने की योजना की रूपरेखा भी बताई। बैठक में कोषाध्यक्ष डॉ. मधुसूदन पटेल, सचिव अवध पटेल, संरक्षक महादेव पटेल, उपाध्यक्ष नेतु राम पटेल, महामंत्री व्यासनारायण पटेल सहित अनेक पदाधिकारी और ग्रामीण गाँवों के ग्रामप्रधान उपस्थित थे। सभी ने दिव्य पुरुष महात्मा ज्योतिबा फुले व माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित करने के प्रयासों का स्वागत किया और इस कार्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। समाप्ति पर समाज के विविध कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से लागू करने, महिलाओं एवं युवाओं के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने तथा सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से नए सदस्यों को जोड़ने पर सहमति बनी।

कपड़े के थैले बांटकर प्लास्टिक का प्रयोग रोकने का दिया संदेश

आरंग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव, राज्य सचिव कैलाश सोनी के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष स्वामी, जिला मुख्य आयुक्त सुरेश शुक्ला एवं जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त डॉ. विजय खंडेलवाल के आदेशानुसार गाइड कैप्टन व्याख्याता अपर्णा तिवारी के मार्गदर्शन में रानी दुर्गावती गाइड दल मंदिर हसौद जिला संघ रायपुर में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना के तहत छात्राओं ने पेंटिंग बनाई तथा ग्राम मंदिर हसौद में लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण रोकने हेतु जागरूक किया।

छात्राओं ने वन यूज प्लास्टिक बॉटल से विभिन्न आकर्षक कलाकृतियां पेन स्टैंड, फ्लावर पॉट, शोपीस बनाकर यह संदेश दिया कि प्लास्टिक की चीजों को खुले या नालियों में डालने की अपेक्षा उनका पुनः उपयोग करके भी हम प्लास्टिक पॉल्यूशन को कम कर सकते हैं। इको फ्रेंडली वर्कशॉप में छात्राओं ने कपड़े के थैले पर प्लास्टिक प्रदूषण रोकने का लोगो चिपकाकर /"इको फ्रेंडली थैला/" तैयार कर लोगों को बांटा तथा उनसे यह शपथ ली।

निनवा के बोधन पात्र व राम का अवसान, एक युग का दुखद अंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

रामलीला के मंच पर भगवान राम के किरदार को 46 वर्षों तक जीवंत करने वाले श्री बोधन प्रसाद शर्मा का बीमार होने से निधन हो गया उनके निधन से केवल ग्राम निंनवा ही नहीं, बल्कि समूचे क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना के लिए एक गहरा आघात है। उनके जाने से निंनवा की लीला मंडली में 'राम' के पात्र के एक युग का दुखद अंत हो गया है, और उनके चाहने वाले यह कहकर बिलख रहे हैं कि /"ऐसा राम का किरदार अब नहीं मिलेगा। यह एक अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई असंभव जान पड़ती है। श्री बोधन प्रसाद शर्मा का अभिनय महज एक भूमिका नहीं थी; यह राम के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा और अटूट निष्ठा का साक्षात प्रमाण था। वे मंच पर आते ही 'राम' के अलौकिक स्वरूप में इस कदर ढल जाते थे कि उनकी वाणी, उनके भाव और उनकी भाव-भंगिमाएं दर्शकों को सीधे मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन कराती थीं। उनकी अनुपस्थिति ने रामलीला मंच पर एक ऐसा शून्य छोड़ा है, जिसे भर पाना किसी चुनौती से कम नहीं। निंनवा और आसपास के क्षेत्रों के लोग उनकी कमी को शिद्दत से महसूस कर रहे हैं।

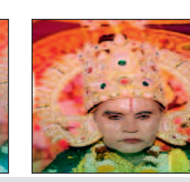

धार्मिक निष्ठा के धुरंधर थे

उनकी अटूट निष्ठा और समर्पण का प्रदर्शन सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं था, बल्कि राम के प्रति उनकी गहन भक्ति का प्रमाण था। यह भक्ति ही थी जो उनके प्रदर्शन में एक दिव्य चमक भर देती थी। दर्शक उन्हें देखकर भगवान राम के दर्शन का अनुभव करते थे - किसी भी कलाकार के लिए इससे बड़ी उपलब्धि और क्या हो सकती है? बोधन प्रसाद जी के अभिनय में एक अद्भुत भावनात्मक गहराई थी। चाहे वह सीता हरण का दुःख हो, लक्ष्मण मूर्छा का दर्द हो, या रावण वध का शौर्य, वह हर भावना को इतनी संवेदनशीलता से व्यक्त करते थे कि दर्शक स्वयं को उस क्षण का हिस्सा महसूस करने लगते थे। उनकी मार्मिक प्रस्तुति ही उन्हें जनमानस के हृदय में 'राम' के रूप में स्थापित कर पाई।

सौ साल पुरानी परंपरा के सच्चे संरक्षक

धरसींवा से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम निंनवा में 100 वर्ष से भी अधिक समय से रामलीला का मंचन होता आ रहा है। यह गांव की एक प्राचीन और गौरवशाली परंपरा है, जिसे बोधन प्रसाद जी ने अपने समर्पण और भक्ति से और भी समृद्ध किया। उनकी कला और भक्ति ने 'राम' के किरदार को इस कदर आत्मसात कर लिया था कि वे हर मंचन में दर्शकों के हृदय में उतर जाते थे। उन्होंने कई ऐसे ऐतिहासिक मंचन किए, जिनसे न केवल गांव बल्कि रामलीला का यह पावन किरदार भी गौरवान्वित हुआ। वे एक ऐसे कलाकार थे जिन्होंने पात्र के साथ एकात्मता स्थापित कर ली थी। 46 वर्षों तक एक ही किरदार को जीना, उसके हर भाव, हर संघर्ष और हर आदर्श को आत्मसात करना, यह किसी साधारण कलाकार के बस की बात नहीं। उनकी आँखों में राम की करुणा, उनके चेहरे पर राम का धैर्य और उनकी वाणी में राम का शौर्य स्पष्ट झलकता था। यह एकात्मता ही थी जो उन्हें अन्य कलाकारों से विशिष्ट बनाती थी।

जेल में मारपीट, घायल को ठेला में ले जाकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय जेल रायपुर में कुनबी समाज के अध्यक्ष श्याम देशमुख के साथ बेरहमी से मारपीट के मामले में आरोपी शिक्षक नेतराम नाकतोड़े के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से समाज के लोगों ने घायल को ठेला में बैठाकर थाने ले जाकर गंज थाने में प्रदर्शन किया। साथ ही शिक्षक के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। किसी मामले में जेल गए श्याम की शुक्रवार को जेल से रिहाई हुई। जेल से रिहा होने के बाद श्याम ने अपने परिजनों के साथ समाज के लोगों को जेल के शिक्षक नेतराम नाकतोड़े के खिलाफ जेल के बंदियों द्वारा बेरहमी से मारपीट कराने का आरोप लगाया। मारपीट होने की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में समाज के लोग थाने पहुंचे नेतराम के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा था।

पेज 11 के शेष...

तोमर ब्रदर्स ने...

के आरोप में पुलिस ने उनके दो कर्मचारियों को आरोपी बनाया है। **सट्टा के कारोबार में निवेश करने की आशंका :** दोनों भाई शुरू से आपराधिक प्रवृत्ति के रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि दोनों भाइयों ने सूदखोरी से प्राप्त बड़ी राशि सट्टा संचालित करने निवेश की है। पुलिस दोनों भाइयों तथा परिवार के अन्य सदस्यों के अकाउंट की जांच करने के साथ ही उनके सट्टे का लिंक तलाश रही है। पुलिस को दोनों भाइयों के नेपाल में छिपे होने की आशंका है।

बढ़ गई गर्मी, ड्रिहाईड्रेशन...

प्रभाव शरीर पर विपरीत असर डाल रहा है। अभी तेज गर्मी के बीच लू जैसे केस तो नहीं आ रहे हैं, मगर लोगों में डिहाईड्रेशन की वजह से कमजोरी और बुखार जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। आंबेडकर और जिला अस्पताल के मेडिसिन विभाग में बुखार, कमजोरी जैसी समस्या लेकर काफी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। इसी तरह खानपान में होने वाली लापरवाही भी पेट बिगड़ने जैसी समस्या बढ़ा रही है। जांच के बाद उन्हें आवश्यक दवा दी जा रही है और किसी को भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ रही है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी श्रीमती नीलोफर बानो, पिता- हाजी मोहम्मद अशरफ, पति- अनीश मेमन, निवासी- 126, रामसागर पारा, अकलतरा, जांजगीर चांपा, छ.ग. से उनके स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो मौजा- मंदिर हसौद, प.ह.नं. 00022, रा.नि.मं. मंदिर हसौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर, छ.ग. में स्थित है जिसका खसरा नं. 1256/35 रकबा 0.3460 हे. तथा खसरा नं. 1256/36 रकबा 0.1400 हे. को क्रय करने का सौदा किया गया है।

यह कि, उपरोक्त वर्णित भूमि या इस सौदे को लेकर किसी भी व्यक्ति/संस्था/ शासकीय निकाय/ बैंक/पक्षकार / ग्राम पंचायत आदि को किसी भी प्रकार से दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन दिनांक 07 दिनों के भीतर मय सुसंगत दस्तावेजो सहित लिखित में मेरे समक्ष नीचे दिये गये पते पर प्रस्तुत करें। समाचार पत्र के माध्यम से खण्डन स्वीकार नही।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि / सौदे के संबंध में दिये गये म्याद बाद मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करवा लिया जावेगा। तद्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति उपरोक्त भूमि के संबंध में शून्य माना जावेगा। जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक 07.06.2025

भवदीय
तापस कांति घोष (अधिवक्ता)
छोटा पारा, रायपुर, छ.ग.
मो. नं. - 98261 32035

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी श्रीमती रूबीना बानो, पिता- हाजी मोहम्मद अशरफ, पति- मोहम्मद सब्बीर, निवासी- 126, रामसागर पारा, अकलतरा, जांजगीर चांपा, छ.ग. से उनके स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो मौजा- मंदिर हसौद, प.ह.नं. 00022, रा.नि.मं. मंदिर हसौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर, छ.ग. में स्थित है जिसका खसरा नं. 1256/20 रकबा 0.1840 हे. तथा खसरा नं. 1256/24 रकबा 0.1400 हे. को क्रय करने का सौदा किया गया है।

यह कि, उपरोक्त वर्णित भूमि या इस सौदे को लेकर किसी भी व्यक्ति/संस्था/ शासकीय निकाय/ बैंक/पक्षकार / ग्राम पंचायत आदि को किसी भी प्रकार से दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन दिनांक 07 दिनों के भीतर मय सुसंगत दस्तावेजो सहित लिखित में मेरे समक्ष नीचे दिये गये पते पर प्रस्तुत करें। समाचार पत्र के माध्यम से खण्डन स्वीकार नही।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि /सौदे के संबंध में दिये गये म्याद बाद मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करवा लिया जावेगा । तद्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति उपरोक्त भूमि के संबंध में शून्य माना जावेगा। जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक 07.06.2025

भवदीय
तापस कांति घोष (अधिवक्ता)
छोटा पारा, रायपुर, छ.ग.
मो. नं. - 98261 32035

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर 13 भाठागांव, तह./जिला रायपुर छ.ग.

आम सूचना

जारी दिनांक 05/06/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक डॉ. शांति कंवर पति श्री आर.एस. कंवर निवासी सामुदायिक अस्पताल अभनपुर द्वारा आवेदित ग्राम चंगोराभाठा प.ह.नं. 59 राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-13 स्थित भूमि खसरा नंबर 195/54 रकबा 0.027 हे. कुल खसरा क्रमांक 1 रकबा 0.027 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 13/05/2024 के परिपालन में दिनांक 20/06/2025 को समय अपरान्ह 2.00 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 59 के चंगोराभाठा स्थित पटवारी/राजस्व निरीक्षक कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-13 भाठागांव

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार क्रेता नें विक्रेता- डॉ. भरत गुप्ता पिता- श्री जय नारायण गुप्ता निवासी- शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) ऋण पुस्तिका क्र. पी-176449 के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जो की वाके मौजा ग्राम- उरला प.ह.न. 101/29 रा.नि.म.- रायपुर-21- रावांभाठा, तहसील- धरसीवा व जिला- रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 375/3 का भाग रकबा - 1.0001 हेक्टेयर एवं खसरा नं. 375/4 रकबा 0.1680 हेक्टेयर कुल खसरा 02 कुल रकबा 1.1681 हेक्टेयर जो लगभग 125733 व. फु. भूमि जिसमें 1580 रनिंग फीट की बाउंड्रीवाल निर्मित है जिसके संबंध में भूमिस्वामी हक़ की कृषि भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा करके अग्रिम राशि अदा कर दी हैं, अब केवल विक्रय विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन कार्यवाही कराया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के सम्बन्ध में जिस किसी बैंक व्यक्ति, संस्था या, ,, निकाय इत्यादि को उक्त संव्यवहार या उसके किसी भाग के स्वत्व, आधिपत्य या अंतरण के संबंध में कोई आपत्ति या दावा हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 7 दिनों (सात) में मेरे निम्न पते पर समक्ष उपस्थित होकर मय दस्तावेज अपनी लिखित स्वरुप में आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा निर्धारित अवधि उपरांत उक्त संपत्ति का पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा करा लिया जावेगा तद उपरांत की गई आपत्ति अवैध एवं शुन्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी महज़ प्रकाशन द्वारा आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

अतः जो कोई व्यक्ति उक्त संपत्ति को क्रय विक्रय करने हेतु यदि कोई भी रकम अदा करता है अथवा किसी भी प्रकार का सम व्यवहार करता है तो वह स्वयं उसका जिम्मेदार व जवाबदार होगा।

सर्व साधारण को सूचनार्थ

स्थानः- रायपुर
दिनांकः- 07/06/2025

संस्कार जैन (अधिवक्ता)
शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)
मो. 9993430000

एचआरसी नंबर प्लेट लगने के बाद भर रहा खजाना, चालान कट रहे 40 फीसदी ज्यादा

पिछले साल अप्रैल में आठ हजार चालान, इस वर्ष 14 हजार वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- मोबाइल नंबर, एड्रेस अपडेट होने के बाद ट्रैफिक उल्लंघन करने वालों के घर तक पहुंचने लगा नोटिस

ट्रैफिक उल्लंघन करने वालों से लेकर अन्य किसी तरह के नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ऑनलाइन कार्रवाई होने लगी है। ट्रैफिक उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस पिछले पांच वर्षों से ऑनलाइन चालानी कार्रवाई कर रही है। बड़ी संख्या में ऐसे वाहन चालक हैं, जिनका मोबाइल नंबर तथा एड्रेस परिवहन विभाग की वेबसाइट पर अपडेट नहीं है। इस वजह से ऐसे लोग ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के बाद भी चालानी कार्रवाई से बच जाते थे। वाहनों में एचएसआरपी लगने के बाद इसका असर दिखने लगा है।

अप्रैल 2019 के पूर्व के पुराने वाहनों में एचएसआरपी नंबर लगने लगे हैं। पुराने 20 प्रतिशत के करीब वाहनों में एचएसआरपी नंबर लग गए हैं।

जिन वाहनों में एचएसआरपी नंबर लग गए हैं, ऐसे वाहन चालक ट्रैफिक उल्लंघन करते आईटीएमएस कैमरे की जद में आते हैं, तो उनके पास अब ऑनलाइन चालान पहुंचने लगा है। इस वजह से पिछले वर्ष अप्रैल की तुलना में इस वर्ष 40 प्रतिशत ज्यादा चालानी कार्रवाई हुई है।

इसलिए ज्यादा कार्रवाई

परिवहन विभाग की वेबसाइट पर अप्रैल 2019 के पूर्व के ज्यादातर वाहन मालिकों के घर के पते के साथ उनका मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है। एचएसआरपी लगाने के लिए आधार कार्ड लिंक करने के साथ ही मोबाइल नंबर अपडेट किया जा रहा है, तभी वाहन मालिकों के वाहन में एचएसआरपी नंबर लगाए जा रहे हैं। आधार कार्ड लिंक होने के साथ ही मोबाइल नंबर अपडेट होने के बाद ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के साथ मालिक की आसानी से पहचान हो रही है।

अप्रैल-मई में इतनी कार्रवाई

ट्रैफिक उल्लंघन करने आठ हजार 384 वाहन चालकों के खिलाफ अप्रैल में कार्रवाई हुई थी। इस वर्ष संख्या बढ़कर 13 हजार 884 तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत ज्यादा है। इसी तरह से पिछले वर्ष मई में ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले नौ हजार 339 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इस वर्ष मई में ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की संख्या बढ़कर 12 हजार 32 हो गई है। मई में इस वर्ष ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ 23 प्रतिशत ज्यादा कार्रवाई हुई है। कार्रवाई ज्यादा होने से राजस्व में भी वृद्धि हुई है।

महापौर ने कहा- 19 कारोबारी के लिए शहर को परेशानी में नहीं डाल सकते

40 कारोबारियों ने निगम को सौंपे दस्तावेज, 19 दुकानें सील, पीछे के दरवाजे से कारोबार, दस्तावेज परीक्षण कल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- विवाद का हो सकता है निपटारा, सड़क की ओर शटर खोलने से ट्रैफिक जाम

पंडरी कपड़ा मार्केट की 19 दुकानों में नियम विपरीत सड़क की तरफ शटर खोलकर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों की दुकानों की सीलबंदी शनिवार को भी नहीं खुल पायी, लेकिन पीछे के दरवाजे से खुली हैं दुकानें। यह दुकान अंदर से खुली हैं, की सूचना संबंधित दुकानदारों ने सीलबंद वाले हिस्से में लगा रखी है। इसके चलते पीछे के दरवाजे से कारोबार होता रहा।

इधर 44 प्रभावित व्यापारियों ने नगर निगम जोन 2 कमिश्नर को दुकानों के दस्तावेज सौंप दिये हैं, पर निगम आयुक्त के अवकाश पर होने के कारण उनके दफ्तर आने पर 9 जून को इस विवाद का निबटारा दस्तावेज परीक्षण के बाद हो सकता है। महापौर मीनल चौबे ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि सड़क की तरफ शटर निकालना गलत है। 19 लोगों के कारोबार के चक्कर में हम पूरे शहर को परेशानी में डाल नहीं सकते, वहीं कपड़ा मार्केट के कारोबारियों को उम्मीद है, दस्तावेज परीक्षण के बाद समस्या का समाधान हो जाएगा।

दरअसल, प्रदेश के सबसे बड़े थोक कपड़ा मार्केट पंडरी में नगर निगम द्वारा सड़क तरफ नियम विपरीत दुकानों का शटर खोलकर कारोबार करने पर 19 दुकानों को मंगलवार को निगम ने सीलबंद कर दिया। मुख्यालय उड़नदस्ता टीम और जोन 2 की टीम ने पुलिस बल की उपस्थिति में यह कार्रवाई की।

इस बहुप्रतीक्षित कार्रवाई से जहां आम जनता को पंडरी कपड़ा मार्केट में लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत मिली, वहीं इसके विरोध में व्यापारियों ने मेन गेट पर ताला लगाकर विरोध जताया था।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने व्यापारियों की समस्या का समाधान करने निगम अधिकारियों के साथ बैठक रखी। तब निगम के अधिकारियों संबंधित व्यापारियों से दस्तावेज की मांग की। इसी कड़ी में अब तक 44 व्यापारियों ने जोन 2 कमिश्नरी में दस्तावेज जमा करा दिये हैं। विदित हो कि निगम ने सड़क के दोनों किनारों पर बनी उन दुकानों को सील किया है, जिनके अंदर और बाहर दोनों ओर से खुले हैं। इनमें से सड़क की ओर नियम विपरीत खुले 19 दुकानों में सीलबंदी की गयी हैं।

महापौर का व्यू

नियमितीकरण स्ट्रक्चर का होता है हमने उसे तोड़ा नहीं। सड़क की तरफ गलती तरीके से शटर निकालना गलत है। 90 फीसदी शहरवासी पंडरी के थोक कपड़ा बाजार में आते-जाते हैं, उन्हें परेशानी में डालकर 19 कारोबारियों को राहत देने सड़क की ओर शटर खोलने नहीं दे सकते। देवेंद्र नगर के आसपास की कालोनी से पंडरी मेन रोड की ओर आने-जाने वालों को रोज ट्रैफिक जाम में फंसना पड़ता है। इसलिए दस्तावेज दिखाकर परीक्षण करा लें। आम जनता को ट्रैफिक की परेशानी नहीं होनी चाहिए। शिकायत भी आयी है, इसलिए संबंधित दुकानों को सीलबंद किया गया है। निगम आयुक्त के समक्ष दस्तावेज परीक्षण के बाद व्यापारियों से चर्चा उपरांत इस समस्या का स्थायी समाधान पर निर्णय लिया जायेगा। जनहित सर्वोपरि है इसमें किसी तरह की मुरव्वत नहीं चलेगी।

- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

अध्यक्ष का व्यू

उम्मीद है हमारे पक्ष में रहेगा निर्णय

उम्मीद है दस्तावेज परीक्षण के बाद हमारे पक्ष में निर्णय आएगा। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमेंट को निर्धारित शुल्क जमा कर हमने दुकानों का नियमितीकरण करा लिया है। सड़क की ओर दरवाजा दिखाया है, दस्तावेज परीक्षण करेंगे तो यह स्थिति क्लियर हो जाएगी। फिर सरकार जैसा कहेगी वैसा ही करेंगे। दुकानों के शटर सड़क की ओर खुली रहने से ट्रैफिक जाम नहीं लगता। इस बात को समझना होगा। जब दुकानें बंद रहती है तब लोग वहां गाड़ियां पार्क करते हैं। निगम चाहे तो नो पार्किंग जोन बना दे। हनुमान मंदिर के पास पार्किंग दी है। एक पार्किंग मॉल में है, पर लोग चलना न पड़े इसलिए बाहर गाड़ियां खड़ी कर देते हैं। हमारा ये सुझाव है हाट बाजार के पास जो मॉल बन रहा है वहां एक पार्किंग पंडरी कपड़ा मार्केट वालों के लिए दिया जाये। इसी तरह देवेंद्र नगर की एक रोड को मॉल की तरफ वाले बंद रोड को खोल दिया जाये तो इससे ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी।

- सरल मोदी, अध्यक्ष, दी रायपुर थोक कपड़ा व्यापारी संघ पंडरी

पंडरी कपड़ा मार्केट में 90 फीसदी रिटेल सेंटर

1982 में जब कुम्हारी से पंडरी में कपड़ा मार्केट शिफ्ट हुआ तब यह होलसेल कपड़ा मार्केट था। वहां रिहाइशी बस्ती नहीं थी, बल्कि खाली मैदान हुआ करता था। अब आसपास रिहायशी बस्ती बस गयी है और मार्केट का विस्तार होने से होलसेलर के साथ 90 फीसदी रिटेलर बाजार का प्रमुख अंग हैं। रिटेल कारोबारियों के लिए अपने उत्पाद के प्रमोशन, प्रोडक्ट के प्रजेंटेशन के एंट्री चाहिए। जब सड़क की ओर दुकान खुला रहेगा तो व्यापार बढ़ेगा ऐसा कारोबारियों का मानना है।

जेल में मारपीट, घायल को ठेला में ले जाकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- जेल में समाज के अध्यक्ष के साथ मारपीट की घटना के बाद कुनबी समाज का प्रदर्शन

केंद्रीय जेल रायपुर में कुनबी समाज के अध्यक्ष श्याम देशमुख के साथ बेरहमी से मारपीट के मामले में आरोपी शिक्षक नेतराम नाकतोड़े के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से समाज के लोगों ने घायल को ठेला में बैठाकर थाने ले जाकर गंज थाने में प्रदर्शन किया। साथ ही शिक्षक के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। किसी मामले में जेल गए श्याम की शुक्रवार को जेल से रिहाई हुई। जेल से रिहा होने के बाद श्याम ने अपने परिजनों के साथ समाज के लोगों को जेल के शिक्षक नेतराम नाकतोड़े के खिलाफ जेल के बंदियों द्वारा बेरहमी से मारपीट कराने का आरोप लगाया। मारपीट होने की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में समाज के लोग थाने पहुंचे नेतराम के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा था।

चाबी के विवाद पर मारपीट

समाज के दोनों पक्षों के बीच विवाद का कारण समाज में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर है। श्याम ने आरोप लगाया है कि समाजिक भवन की चाबी नहीं देने पर नेतराम ने साजिश के तहत जेल में उसके साथ मारपीट करवाई। मारपीट की घटना से श्याम का पैर फ्रैक्चर हो गया है। श्याम ने आरोप लगाया है कि सामाजिक भवन की चाबी नहीं देने पर नेतराम ने उसे, उसकी बीवी तथा बच्चों के साथ मारपीट करने की धमकी दी है।

एक्सीडेंट में घायल बच्चे की उपचार के दौरान मौत

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र में अपने माता-पिता के साथ बिरयानी सेंटर में खाना खाने गया आठ साल का बच्चा सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार रायपुरा जागृति सोसायटी निवासी पीके दास अपनी पत्नी प्रीति दास तथा बेटे प्रसीत के साथ रायपुर बिरयानी खाना खाने गए थे। बिरयानी सेंटर के बाहर तीनों बाइक पर सवार हुए, उसी दौरान अज्ञात बोलेरो वाहन के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक को ठोकर मार दी।

खबर संक्षेप

राजेश्री के जन्मदिन पर ब्राह्मण फेडरेशन ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास के जन्मदिन के अवसर पर वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के पदाधिकारी संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा की अगवाई में उनसे भेंटकर शॉल एवं बुके से उनका सम्मान किया गया तथा स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ मार्गदर्शक दशरथ प्रसाद शुक्ला, प्रदेश महासचिव डॉ. सुनील कुमार ओझा, सलाहकार रज्जन अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष यशवंत पुरोहित, गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष किशन बाजारी, अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेश संरक्षक खड़ानंद मिश्रा, कोषाध्यक्ष राघवेंद्र पाठक, संभागीय सचिव सतीश शर्मा, उपाध्यक्ष रवि शर्मा, उमेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नरसिंह मंडल का संपूर्ण जीवन समाज के लिए समर्पित

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण और मध्यप्रदेश राज्य परिवहन निगम के पूर्व अध्यक्ष सतलोकी नरसिंह मंडल की 13वीं पुण्यतिथि मनाई गई। यह कार्यक्रम न्यू राजेंद्र नगर स्थित गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन में शनिवार को हुआ। इसी दौरान सुरता कार्यक्रम भी किया गया। इसी दौरान सतनामी समाज के लोगों ने सांस्कृतिक भवन प्रांगण में स्थापित स्व. मंडलजी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी आदरांजलि दी। इस मौके पर प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि समाज के लोगों ने अपने लौहपुरुष के अधूरे सामाजिक उत्थान के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेते हुए उनके अनुकरणीय कार्यों को याद कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम को छग राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष केपी खण्डे, पूर्व न्यायाधीश एमडी माहिलकर और सुरता कार्यक्रम को डीएस पात्रे, सुंदरलाल जोगी, चंपादेवी गेंदले, सुंदर लहरे, बंशीलाल कुर्रे, जीआर बाघमारे, खेढ्ढ बंजारे, अरुण मंडल, प्रो. डीएन खुटे एवं डॉ. कल्याण रवि ने भी संबोधित किया।

धूमधाम से मनाया अम्मा चोले वाली का वर्सी महोत्सव

रायपुर। देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में शनिवार को अम्मा चोले वाली का 19वां वर्सी महोत्सव दरबार के महंत अम्मा मीरा देवी के सानिध्य में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के 11 गोदड़ीवाला धामों से रायपुर, तिल्दा, भाटापारा चकरभाठा, बिलासपुर, कोरबा, रायपुर, रायगढ़, धमतरी, दल्लीराजहरा, राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई के श्रद्धालु आशीर्वाद लेने पहुंचे। यह जानकारी दरबार के सेवादारी हरि इसरानी, अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी ने देते हुए बताया कि सुबह 10 बजे भजन, सत्संग कीर्तन, दोपहर 12 बजे अखंड धूनी पाठ साहिब का आरंभ हुआ। इसके बाद दोपहर भंडारे का आयोजन किया गया। इसके बाद शाम 5 बजे विनोद चावला और पार्टी चकरभाठा, बाबा बालक मंडली रायपुर, बाबा बालक मंडली रायगढ़, बाबा बालक मंडली भाटापारा द्वारा भी भजन कीर्तन की प्रस्तुति दी गई। अखंड धूनी पाठ के मुख्य रूप से शदाणी दरबार के संत युधिष्ठिर लाल साहिब आशीर्वाद देने उपस्थित थे। कार्यक्रम में दिलीप इसरानी, घनश्याम माखीजा, नरेश परयानी, रमेश मंधान, मंघाराम कुकरेजा आदि शामिल थे।

पेज 11 के शेष ...

तोमर ब्रदर्स ने...

के आरोप में पुलिस ने उनके दो कर्मचारियों को आरोपी बनाया है। **सट्टा के कारोबार में निवेश करने की आशंका :** दोनों भाई शुरू से आपराधिक प्रवृत्ति के रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि दोनों भाइयों ने सूदखोरी से प्राप्त बड़ी राशि सट्टा संचालित करने निवेश की है। पुलिस दोनों भाइयों तथा परिवार के अन्य सदस्यों के अकाउंट की जांच करने के साथ ही उनके सट्टे का लिंक तलाश रही है। पुलिस को दोनों भाइयों के नेपाल में छिपे होने की आशंका है।

बढ़ गई गर्मी, ड्रिहाईड्रेशन...

प्रभाव शरीर पर विपरीत असर डाल रहा है। अभी तेज गर्मी के बीच लू जैसे केस तो नहीं आ रहे हैं, मगर लोगों में डिहाईड्रेशन की वजह से कमजोरी और बुखार जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। आंबेडकर और जिला अस्पताल के मेडिसिन विभाग में बुखार, कमजोरी जैसी समस्या लेकर काफी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। इसी तरह खानपान में होने वाली लापरवाही भी पेट बिगड़ने जैसी समस्या बढ़ा रही है। जांच के बाद उन्हें आवश्यक दवा दी जा रही है और किसी को भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ रही है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी श्रीमती नीलोफर बानो, पिता- हाजी मोहम्मद अशरफ, पति- अनीश मेमन, निवासी- 126, रामसागर पारा, अकलतरा, जांजगीर चांपा, छ.ग. से उनके स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो मौजा- मंदिर हसौद, प.ह.नं. 00022, रा.नि.मं. मंदिर हसौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर, छ.ग. में स्थित है जिसका खसरा नं. 1256/35 रकबा 0.3460 हे. तथा खसरा नं. 1256/36 रकबा 0.1400 हे. को क्रय करने का सौदा किया गया है।

यह कि, उपरोक्त वर्णित भूमि या इस सौदे को लेकर किसी भी व्यक्ति/संस्था/ शासकीय निकाय/ बैंक/पक्षकार / ग्राम पंचायत आदि को किसी भी प्रकार से दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन दिनांक 07 दिनों के भीतर मय सुसंगत दस्तावेजो सहित लिखित में मेरे समक्ष नीचे दिये गये पते पर प्रस्तुत करें। समाचार पत्र के माध्यम से खण्डन स्वीकार नही।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि / सौदे के संबंध में दिये गये म्याद बाद मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करवा लिया जावेगा। तद्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति उपरोक्त भूमि के संबंध में शून्य माना जावेगा। जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक 07.06.2025

भवदीय
तापस कांति घोष (अधिवक्ता)
छोटा पारा, रायपुर, छ.ग.
मो. नं. - 98261 32035

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी श्रीमती रूबीना बानो, पिता- हाजी मोहम्मद अशरफ, पति- मोहम्मद सब्बीर, निवासी- 126, रामसागर पारा, अकलतरा, जांजगीर चांपा, छ.ग. से उनके स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो मौजा- मंदिर हसौद, प.ह.नं. 00022, रा.नि.मं. मंदिर हसौद, तहसील- मंदिर हसौद, जिला- रायपुर, छ.ग. में स्थित है जिसका खसरा नं. 1256/20 रकबा 0.1840 हे. तथा खसरा नं. 1256/24 रकबा 0.1400 हे. को क्रय करने का सौदा किया गया है।

यह कि, उपरोक्त वर्णित भूमि या इस सौदे को लेकर किसी भी व्यक्ति/संस्था/ शासकीय निकाय/ बैंक/पक्षकार / ग्राम पंचायत आदि को किसी भी प्रकार से दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन दिनांक 07 दिनों के भीतर मय सुसंगत दस्तावेजो सहित लिखित में मेरे समक्ष नीचे दिये गये पते पर प्रस्तुत करें। समाचार पत्र के माध्यम से खण्डन स्वीकार नही।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि /सौदे के संबंध में दिये गये म्याद बाद मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करवा लिया जावेगा । तद्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति उपरोक्त भूमि के संबंध में शून्य माना जावेगा। जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर, छ.ग.
दिनांक 07.06.2025

भवदीय
तापस कांति घोष (अधिवक्ता)
छोटा पारा, रायपुर, छ.ग.
मो. नं. - 98261 32035

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर 13 भाठागांव, तह./जिला रायपुर छ.ग.

आम सूचना

जारी दिनांक 05/06/2025

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक डॉ. शांति कंवर पति श्री आर.एस. कंवर निवासी सामुदायिक अस्पताल अभनपुर द्वारा आवेदित ग्राम चंगोराभाठा प.ह.नं. 59 राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-13 स्थित भूमि खसरा नंबर 195/54 रकबा 0.027 हे. कुल खसरा क्रमांक 1 रकबा 0.027 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 13/05/2024 के परिपालन में दिनांक 20/06/2025 को समय अपरान्ह 2.00 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नंबर 59 के चंगोराभाठा स्थित पटवारी/राजस्व निरीक्षक कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-13 भाठागांव

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार क्रेता नें विक्रेता- डॉ. भरत गुप्ता पिता- श्री जय नारायण गुप्ता निवासी- शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) ऋण पुस्तिका क्र. पी-176449 के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जो की वाके मौजा ग्राम- उरला प.ह.न. 101/29 रा.नि.म.- रायपुर-21- रावांभाठा, तहसील- धरसीवा व जिला- रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 375/3 का भाग रकबा - 1.0001 हेक्टेयर एवं खसरा नं. 375/4 रकबा 0.1680 हेक्टेयर कुल खसरा 02 कुल रकबा 1.1681 हेक्टेयर जो लगभग 125733 व. फु. भूमि जिसमें 1580 रनिंग फीट की बाउंड्रीवाल निर्मित है जिसके संबंध में भूमिस्वामी हक़ की कृषि भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा करके अग्रिम राशि अदा कर दी हैं, अब केवल विक्रय विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन कार्यवाही कराया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के सम्बन्ध में जिस किसी बैंक व्यक्ति, संस्था या, ,, निकाय इत्यादि को उक्त संव्यवहार या उसके किसी भाग के स्वत्व, आधिपत्य या अंतरण के संबंध में कोई आपत्ति या दावा हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 7 दिनों (सात) में मेरे निम्न पते पर समक्ष उपस्थित होकर मय दस्तावेज अपनी लिखित स्वरुप में आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा निर्धारित अवधि उपरांत उक्त संपत्ति का पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा करा लिया जावेगा तद उपरांत की गई आपत्ति अवैध एवं शुन्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी महज़ प्रकाशन द्वारा आपत्ति मान्य नहीं होगी।

अतः जो कोई व्यक्ति उक्त संपत्ति को क्रय विक्रय करने हेतु यदि कोई भी रकम अदा करता है अथवा किसी भी प्रकार का सम व्यवहार करता है तो वह स्वयं उसका जिम्मेदार व जवाबदार होगा।

सर्व साधारण को सूचनार्थ

स्थानः- रायपुर
दिनांकः- 07/06/2025

संस्कार जैन (अधिवक्ता)
शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)
मो. 9993430000

एक लाख आबादी में दस फीसदी तक ब्रेन ट्यूमर के मरीज, साधारण सिरदर्द से मानसिक बदलाव जैसे होते हैं लक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

साधारण सिरदर्द अगर लंबे समय तक परेशान कर रहा हो अथवा उसकी वजह से उल्टी और मानसिक स्थिति में बदलाव होने लगा हो, तो यह ब्रेन ट्यूमर के लक्षण हो सकते हैं। न्यूरो सर्जन की मदद से सीटी स्कैन और एमआरआई के जरिए सही समय पर इसकी पहचान कर इलाज किया जा सकता है। जागरूकता की कमी की वजह से बीमारी की पहचान में देर गंभीर कैंसर का कारण बन सकते हैं। छत्तीसगढ़ समेत देश में एक लाख आबादी के पीछे पांच से दस फीसदी ब्रेन ट्यूमर के मरीज पाये जाते हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) एवं डीकेएस सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के न्यूरो सर्जरी विभाग में होने वाली ओपीडी में हर माह 20 फीसदी मरीज ब्रेन ट्यूमर से संबंधित होते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक ब्रेन ट्यूमर होने की बड़ी वजह अब तक सामने नहीं आई है। इसका कारण जेनेटिक, रेडियोवेशन, इनवायरमेंट, पोषण या आहार में होने वाला असंतुलन भी हो सकता है। इसकी वजह से सिरदर्द, मानसिक स्थिति में बदलाव, उल्टी, कमजोरी, पैरालिसिस अटैक, मिर्गी जैसे दौरे, दृष्टि दोष, बोलने में कठिनाई, शारीरिक संतुलन नहीं बनने जैसी समस्या होती है। इन परेशानियों को नजर अंदाज कर मरीज चिकित्सकीय सलाह लेने में देर करता है, तो इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। इसीलिए इस बीमारी के प्रति गंभीर होना जरूरी है और लक्षणों के आधार पर न्यूरो सर्जन तक पहुंचना जरूरी है। चिकित्सकों के मुताबिक ब्रेन ट्यूमर के मामलों में 70 फीसदी मरीजों का इलाज सर्जिकल प्रक्रिया के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। शेष मामलों में ही सर्जरी के बाद कैंसर जैसी आशंका को दूर करने के लिए कीमो अथवा रेडियोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है।

चिकित्सकों का कहना

ब्रेन ट्यूमर के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि कोई परेशानी लंबे समय से खत्म नहीं हो रही, तो न्यूरो सर्जन से संपर्क करना चाहिए। एम्स में सभी प्रकार के ब्रेन ट्यूमर के मामलों का उपचार किया जा रहा है। कई दुर्लभ केस भी आपरेशन के माध्यम से ठीक हुए हैं। न्यूरो सर्जरी विभाग में ब्रेन ट्यूमर के उपचार के लिए आधुनिक तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।
- **डॉ. अनिल कुमार शर्मा**, विभागाध्यक्ष, न्यूरो सर्जरी, एम्स

ब्रेन ट्यूमर की हर समस्या गंभीर नहीं होती। सही समय पर इसकी पहचान होने से सर्जरी के माध्यम से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। कुछ ही मामलों में सर्जरी के बाद आगे इलाज की आवश्यकता होती है। इसके लक्षण को लेकर लोगों को सजग रहना आवश्यक है। आने वाले मरीजों को सर्जरी के माध्यम से इस बीमारी से निजात भी दिलाई जा रही है।
- **डॉ. राजीव साहू**, एचओडी, न्यूरो सर्जरी विभाग, डीकेएस हासिपटल

मस्तिष्क ट्यूमर के लक्षण

- गंभीर सिरदर्द, दौरे, अस्पष्टीकृत मतली या उल्टी
- दृष्टि संबंधी समस्याएं
- हाथ या पैर में धीरे-धीरे संवेदना या गति का नुकसान
- संतुलन में कठिनाई, थकान, भ्रम और निर्णय लेने में परेशानी
- व्यक्तित्व या व्यवहार में परिवर्तन, सुनने और बोलने में कठिनाई

खबर संक्षेप

रायपुर-बिलासपुर में नए कोरोना केस, एक्टिव 41

रायपुर। अवकाश के दिन कम सैंपल की जांच के बाद भी रायपुर और बिलासपुर में कोरोना का एक-एक केस सामने आया है। इन्हें मिलाकर प्रदेश में एक्टिव केस की संख्या 41 हो गई है। इसमें 37 का उपचार होम आइसोलेशन में किया जा रहा है और चार मरीज दूसरी बीमारियों की वजह से अस्पताल में भर्ती हैं। प्रदेश में कोरोना के मामले अभी कम हैं, मगर इसलिए विभागीय स्तर पर इसे लेकर अधिक सतर्कता नहीं बरती जा रही है। इसके अलावा सावधानी को लेकर भी अभी कोई विशेष गाइडलाइन जारी नहीं की गई है।

एक्सपायर एवं अप्रयुक्त दवाओं के निपटान पर जारी निर्देश का स्वागत

रायपुर। रायपुर डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने एक्सपायर हो चुकी और अप्रयुक्त दवाओं के सुरक्षित निपटान पर सीडीएससीओ द्वारा हाल ही में जारी दिशा-निर्देशों का स्वागत किया है। साथ ही यह भी तर्क दिया गया है कि इन नियमों और निर्देशों को लागू करने में खुदरा विक्रेताओं को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आरडीसीडीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने कहा कि ये चुनौतियां इन्वेंट्री प्रबंधन, अनुपालन, लाभप्रदता और सार्वजनिक स्वास्थ्य जिम्मेदारियों को प्रभावित करती हैं। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, हमें स्ट्रिप कटिंग पर स्पष्टता की आवश्यकता है। यहां आंशिक रूप से बेची गई स्ट्रिप्स की प्रतिपूर्ति के लिए एक मानकीकृत नीति की आवश्यकता है। दूसरा 30-दिन की वापसी समयसीमा है। इसे एक्सपायर रिटर्न के लिए 150 दिनों के उद्योग अभ्यास के साथ संरेखित किया जाना चाहिए या 90-150 दिनों की लचीली अवधि प्रदान करनी चाहिए। तीसरा बैच नंबर बेमेल है। सीडीएससीओ के नए दिशा निर्देश विशेष रूप से उपभोक्ता सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से केंद्रित है। दवा वापसी कार्यक्रमों और कुछ उच्च जोखिम वाली दवाओं को फ्लश करने के प्रावधानों को शामिल करना दुरुपयोग और पर्यावरण प्रदूषण के जोखिम को कम करने के लिए सरकार की मंशा को दर्शाता है।

एफएमजी डाक्टरों की सरकारी मेडिकल कालेजों में दिलचस्पी कांकेर की 118 सीटें खाली

रायपुर। दूसरे देशों से एमबीबीएस की पढ़ाई कर लौटे डाक्टरों ने अपने इंटर्नशिप के लिए सरकारी मेडिकल कालेजों में दिलचस्पी दिखाई है। पहले राउंड की काउंसिलिंग में रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, अंबिकापुर, रायगढ़ और दुर्ग की सीटें फुल हो गई है। कांकेर में 118 सीटों के अलावा कोरबा, महासमुंद और जगदलपुर कालेज में 121 सीट बाकी है। इंटर्नशिप के लिए दो निजी कालेजों में एडमिशन जीरो हैं और तीन में दस लोगो के प्रवेश के पश्चात 162 सीट खाली है।

- इंटर्नशिप के लिए काउंसिलिंग, रायपुर, बिलासपुर, नांदगांव सहित 6 कालेज की सीटें फुल

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा फॉरेन मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने और एफएमजी टेस्ट पास करने वाले डाक्टरों को राज्य के निजी और शासकीय मेडिकल कालेजों में इंटर्नशिप करने का मौका देती है। इसके लिए 15 कालेजों में कुल 870 सीट तय है जिसमें पहले राउंड में 219 लोगों का एडमिशन हो चुका है और 651 सीट बाकी है।

पहले दौर में राज्य के सभी बड़े मेडिकल कालेजों की सीटों पर एडमिशन पूरा हो गया है। अभी जगदलपुर में एक, कोरबा में 59, महासमुंद में 61 और कांकेर में 118 सीटों पर एडमिशन दिया जाना है। इसी तरह इस साल प्रांरभ हुए दो नये मेडिकल कालेज में एक भी एडमिशन नहीं हुआ है और तीन पुराने चिकित्सा महाविद्यालय में दस लोगों ने प्रवेश लिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शेष सीटों में एडमिशन के लिए दूसरे राउंड की काउंसिलिंग 9 से 16 जून तक आवेदन मंगाया गया है। एक साल के इस इंटर्नशिप के दौरान मेडिकल कालेजों में काफी संख्या में चिकित्सा अधिकारी मिलते हैं वहीं इन डाक्टरों को इसके बदले शिष्यवृति भी प्रदान की जाती है।

नालियों में कचरा जाम, मानिटरिंग का सिस्टम ठप

पॉश कालोनी पर फोकस, शहर में गंदगी की सफाई पर हर साल 60 करोड़ का खर्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पॉश कालोनियों में सफाई पर फोकस और शहर में गंदगी यह रोज का हाल है। शहर की सफाई और नाली से कचरा उठाने में नगर निगम सालाना 60 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। इसके बाद भी शहर का ये हाल है कि नालियों में कचरा जाम होने से सारी गंदगी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहती है। सफाई के लिए अनुबंधित कंपनी को नियम अनुसार लोगों के घरों से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में लेना है, पर कचरे की छंटाई किये बिना घरों व दुकानों का कचरा सीधे लैंडफिल साइट पर भेजा जा रहा है। सड़क और नाली सफाई का काम नगर निगम अपने नियमित सफाई कर्मचारियों से करवा रहा है। इसके एवज में हर महीने उन्हें 1.50 करोड़ रुपए का भुगतान करने के बाद भी नालियां जाम पड़ी हैं।

- डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, परिवहन और निष्पादन के लिए रामकी को 3.50 करोड़ रुपए महीना

दरअसल, ठेके पर चल रही शहर की सफाई व्यवस्था का बुरा हाल है। दस जोन के 70 वार्ड में सफाई के नाम पर 60 करोड़ रुपए हर साल खर्च करने के बाद भी निगम प्रशासन शहर को स्वच्छ नहीं बना पाया। 15 लाख की आबादी वाले रायपुर शहर में रोजाना 650 मीट्रिक टन कूड़ा करकट शहर से निकल रहा है।

एकमुश्त वसूल रहा यूजर चार्ज

यही नहीं, आउटर सहित शहर के कुछ अंदरूनी इलाके ऐसे हैं, जहां संकरी गलियों में गाड़ियां नहीं जा पातीं, वहां कचरा उठाने की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है, जबकि नगर निगम इन सभी लोगों से कचरा कलेक्शन के एवज में सालभर का एकमुश्त यूजर चार्ज वसूल रहा है। हालात ये हैं कि जहां 5 गाड़ियों की जरूरत है, वहां 3 गाड़ियों से कूड़ा उठाया जा रहा है। नगर निगम जोन 10 के कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड की बसाहट के हिसाब से वहां 5 कचरा गाड़ियों की जरूरत है, पर ठेका एजेंसी ने वहां केवल 3 गाड़ियां कचरा कलेक्शन के लिए लगा रखी हैं। संबंधित बस्तियों के लोगों ने जोन कमिश्नर और जेडएचओ से 5 गाड़ियों की व्यवस्था कराने एक नहीं, बल्कि कई बार ध्यान आकर्षित कराया, पर गाड़ियों की संख्या नहीं बढ़ाइ गई। इसके कारण ओमनगर, सांई नगर, निखिल विहार इलाके में 2 दिन के अंतराल में लोगों के घरों से कचरा उठ रहा है। इसी तरह जोन 1 के यतियतन लाल वार्ड में सफाई संसाधन की कमी होने से सफाई व्यवस्था प्रभावित है। जन शिकायत के बाद भी नगर निगम का मानिटरिंग सिस्टम ठप पड़ा है। जोन के अधिकारी प्रभावित वार्डों में झांकने तक नहीं आते। शहर में नालियों की सफाई और डोर टू डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था में खामियां उजागर होने के बाद भी जोन व मुख्यालय स्तर पर सफाई की प्रापर मानिटरिंग नहीं की जा रही है। निगम का फोकस सफाई कर्मचारियों की गिनती और उसमें खामी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार पर जुर्माना करने तक सिमट कर रह गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग सरकार को कर रहा गुमराह, अब पोल खोलने रैली

रायपुर। वर्तमान में प्रक्रियाधीन युक्तियुक्तकरण के तहत राज्य के एकल शिक्षकीय एवं शिक्षक विहीन शालाओं में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। इस कार्यवाही का कोई भी शिक्षक संगठन विरोध नहीं कर रहा है। सर्व शिक्षक साझा मंच का विरोध युक्तियुक्तकरण के निर्देशों और प्रक्रिया में व्याप्त विसंगति को दूर करने के लिए है। राज्य की शिक्षा व्यवस्था, शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों के हितों पर चोट हो रही है। पत्रकार वार्ता का मकसद हमारी चिंता और समस्याएं सरकार और जनता तक पहुंचाना है।

- सर्व शिक्षक साझा मंच ने पत्रकार वार्ता में कहा- सुझाव को किया दरकिनार

राजधानी में जुटे सभी शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों ने शनिवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि हम भी चाहते हैं कि शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर की जाए। इसके लिए हमने जो सुझाव दिए थे, उन्हें दरकिनार करके स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी सरकार ही नहीं, कलेक्टरों को भी गुमराह कर रहे हैं। यह बात वीरेन्द्र दुबे, केदार जैन, मनीष मिश्रा व विकास सिंह राजपूत ने कही। आगे बताया कि अगर युक्तियुक्तकरण में व्याप्त विसंगतियों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो 10 जून को सभी जिले में शिक्षकों द्वारा सरकार और अधिकारियों की पोल खोलने के लिए रैली निकालने के बाद ज्ञापन देने की तैयारी है। इसके बाद भी अनदेखी की गई, तो 13 जून को ब्लाक और 16 को शाला प्रवेशोत्सव का शिक्षक बहिस्कार करेंगे।

रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती से उद्योग एवं व्यापार को मिलेगी गति

रायपुर। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा 6 जून को रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की कटौती के निर्णय का कैट ने स्वागत किया है। कैट के वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है, इस कदम से विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के औद्योगिक और व्यापारिक परिदृश्य को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत -2047 मिशन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण आर्थिक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। अमर पारवानी ने बताया कि 3 दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद आरबीआई ने रेपो रेट को 6 फीसदी से घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। यह लगातार तीसरी बार है, जब रेपो रेट में कटौती की गई है। वर्ष 2025 में अब तक 100 बेसिस पॉइंट यानी एक फीसदी की कुल कमी की जा चुकी है। अमर पारवानी ने बताया कि इसके मुख्य प्रभाव के रूप में होम लोन, ऑटो लोन एवं पर्सनल लोन सस्ते होंगे, जिससे आमजन की ईएमआई में सीधा लाभ मिलेगा। अभी तक कुल 1 फीसदी की कटौती करने से 2.50 लाख करोड़ रुपये सिस्टम में आयेगा।

रमन बोले-ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को किया है एकजुट, ताकतवर राष्ट्र के रूप में उभरे हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के समता कालोनी स्थित मैक कालेज आडिटोरियम में कैट छत्तीसगढ़ एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में ऑपरेशन सिंदूर, संकल्प, वोकल फॉर लोकल विषय पर प्रदेश स्तरीय व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रमनसिंह शामिल हुए। अपने उद्बोधन में डॉ. रमन सिंह ने कहा आपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को एकजुट किया है। इससे भारत देश दुनिया में एक मजबूत अर्थव्यवस्था और ताकतवर राष्ट्र के रूप में उभरा है। आज भारत आर्थिक दृष्टि से दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के आह्वान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में बनी टेक्नोलॉजी, उपकरण और हथियारों में आत्मनिर्भर भारत की झलक है। हमारे इंजीनियर, टेक्निशियन और श्रमिकों का पसीना इस सफलता का आधार है। यह अभियान पूरे देश में ऊर्जा और आत्मविश्वास भरने वाला है।

खास बातें
- प्रदेश स्तरीय व्यापारी सम्मेलन में मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह ने कहा
- स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने व्यापारियों को दिलाई शपथ

कार्यक्रम के अध्यक्ष सुनील सिंघी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेनाओं ने जो पराक्रम दिखाया, वह अभूतपूर्व है। आतंकवाद के खिलाफ देश का यह संकल्प और एकजुटता ही भारत की असली ताकत है। उन्होंने व्यापारियों को शपथ दिलाई तथा यथासंभव स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने हेतु आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की असली ताकत है जन-मन का जुड़ाव और जन-भागीदारी। यदि हम सभी अपने जीवन में जहां संभव हो, देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता दें, तो यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भागीदारी होगी।"

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी ने कैट की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से रखा जाएगा। उन्होंने वोकल फॉर लोकल को सफल बनाने के लिए व्यापारी समुदाय से एकजुट होने की अपील की।

कार्यक्रम का संचालन कैट छत्तीसगढ़ के महामंत्री सुरिन्द्र सिंह ने किया।

प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए कैट की छत्तीसगढ़ में यात्रा और विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रदेश भर से पधारे सभी व्यापारी प्रतिनिधियों को एकजुटता का परिचय देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आत्मनिर्भरता का लिया संकल्प

कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों ने स्थानीय उत्पादों को अपनाने, प्रोत्साहित करने एवं राष्ट्रहित में आर्थिक आत्मनिर्भरता का संकल्प लिया। सम्मेलन में शामिल इकाईया में कैट, युवा कैट, महिला कैट, ट्रांसपोर्ट कैट, जिला इकाइयां बिलासपुर, धमतरी, कांकेर, भाटापारा, मनेन्द्रगढ़, दुर्ग, राजनांदगांव, भिलाई, अभनपुर, तिल्दा, सरायपाली, गरियाबंद, चांपा, जांजगीर नैला, अकलतरा एवं रायपुर के विभिन्न व्यापारिक संगठन सहित व्यापारिगण शामिल हुए।

बिजनेस साइट

श्री नारायणा हॉस्पिटल में एंडोस्कोपी से दुर्लभ बीमारी का सफल इलाज

रायपुर। देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल ने एंडोस्कोपी चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हॉस्पिटल के वरिष्ठ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. भाविक शाह ने बिना किसी ऑपरेशन या चीरे के, दुर्लभ बीमारी अकलेशिया कार्डिया से पीड़ित दो मरीजों का सफल इलाज किया है। इस प्रक्रिया को 'पर ओरल एंडोस्कोपी मायोटॉमी'(पीओईएम) कहा जाता है, जो आधुनिक एंडोस्कोपिक तकनीक पर आधारित है। इस पद्धति में शरीर के बाहर किसी तरह का चीरा नहीं लगाया जाता है। श्री नारायणा हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सुनील खेमका ने इस सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि यह दर्शाती है कि आज के युग में उन्नत एंडोस्कोपिक तकनीकों की मदद से बिना सर्जरी के भी जटिल बीमारियों का इलाज संभव है। हमारे हॉस्पिटल में विश्वस्तरीय सुविधाएं और विशेषज्ञों की टीम मौजूद है, जो मरीजों को अत्याधुनिक इलाज मुहैया करा रही है।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर कल से

रायपुर। भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में 9 जून को निशुल्क मूत्र प्रवाह जांच शिविर (यूरोफ्लोमेट्री टेस्ट) का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में मरीजों को बिना किसी शुल्क के परीक्षण और विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा दी जाएगी। यूरोफ्लोमेट्री टेस्ट एक विशेष प्रकार की चिकित्सा जांच है, जिसमें पेशाब के प्रवाह की दर और मात्रा का विश्लेषण किया जाता है। यह परीक्षण प्रोस्टेट ग्रंथि की वृद्धि, मूत्र मार्ग में रुकावट या अन्य मूत्र संबंधी समस्याओं की पहचान के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में अनुभवी डॉक्टरों और विशेषज्ञों की टीम मौजूद है, जो जटिल लिवर व गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों के इलाज में माहिर हैं। यह शिविर उन मरीजों के लिए खास राहत लेकर आया है, जो नियमित जांच न करा पाने के कारण अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं। शिविर में भाग लेने के लिए अग्रिम पंजीकरण अनिवार्य है।

छत्तीसगढ़ में वाहन बिक्री में लगातार दूसरे महीने गिरावट : फाडा

रायपुर। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने छत्तीसगढ़ राज्य के लिए मई 2025 के वाहन खुदरा बिक्री के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार राज्य में वाहन बिक्री में लगातार दूसरे महीने गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ के फाडा राज्य अध्यक्ष विवेक गर्ग ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अप्रैल और मई दोनों महीनों में बिक्री में गिरावट देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि युद्ध की आशंका और समय से पहले व असमान बारिश ने बाजार को प्रभावित किया है, जिससे बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ा है। इसके अलावा ओबीडीटूबी मानकों में बदलाव के चलते वाहनों की कीमतों में वृद्धि भी बिक्री को प्रभावित कर रही है।

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल में अत्याधुनिक तकनीक से स्तन कैंसर का सफल इलाज

रायपुर। संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल रायपुर में हाल ही में एक जटिल ब्रेस्ट कैंसर केस का अत्याधुनिक तकनीकों से सफल इलाज किया गया। 47 वर्षीय महिला मरीज, जो तीन वर्ष पूर्व गर्भावस्था के दौरान ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित थीं, उन्होंने दोबारा स्तन में गांठ की शिकायत के बाद वरिष्ठ कैंसर सर्जन एवं क्लीनिकल डायरेक्टर डॉ. मौ रॉय से परामर्श लिया। गांठ की सटीक स्थिति पता करने के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड बायोप्सी की गई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह हार्मोन पॉजिटिव ब्रेस्ट कैंसर है। सर्जरी से पूर्व वाईर लोकलाइजेशन तकनीक का उपयोग कर गांठ की सटीक पहचान की गई।

सामान्य तारीख पर ही जगदलपुर पहुंचेगा मानसून, अभी 43-44 डिग्री तक बढ़ेगी गर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मई के महीने में राहत देने वाली गर्मी जून में अपना हिसाब करेगी। मानसून अपनी सामान्य तारीख यानी 13 जून के आसपास ही जगदलपुर तक पहुंचेगा। तब तक गर्मी अपना बढ़ता असर दिखाएगी और अधिकतम पारा 43-44 डिग्री सेल्सियस डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। अभी मानसून की गतिविधि में पूरी तरह ब्रेक लगा हुआ है, क्योंकि अरब सागर से आने वाली हवा कमजोर है।

- शनिवार को राजधानी रही सबसे गर्म, 41 के पार हुआ तापमान

दंतेवाड़ा से मानसून के आगे बढ़ने की संभावना काफी कम है क्योंकि मानसून को आगे बढ़ाने अभी नया सिस्टम नहीं बन सका है। अभी गर्मी लगातार बढ़ रही है जिसके मानसूनी बारिश का जोरदार असर होने तक 43-44 डिग्री यानी अप्रैल महीने के अधिकतम रिकार्ड तक पहुंचने की उम्मीद है। जून के महीने में पारा चढ़ने के बाद लू जैसे हालात भी बन सकते हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों का कहना है कि जगदलपुर में मानसून के पहुंचने की सामान्य तारीख 13 और रायपुर आगमन की तिथि 15 जून निर्धारित है। माना जा रहा है कि इस बार भी मानसून प्रमुख स्टेशनों तक अपनी सामान्य तारीख तक पहुंचेगा। शनिवार को भी प्रदेश में बढ़ती गर्मी ने असर दिखाया और सबसे गर्म रायपुर रहा। दोपहर तेज धूप के साथ वातावरण में मौजूद 60 फीसदी से ज्यादा नमी भी चिपचिपाहट के रूप में अपना असर दिखाती रही।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, रविवार 8 जून 2025
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

03 मानसून दस्तक दे रहा, खान-पान को....

लाइव इवेंट

प्लास्टिक का अंत करने बच्चों ने बनाया पोस्टर, विचारों के साथ दिए सुझाव भी

रायपुर। क्षेत्रीय कार्यालय पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा कला केंद्र नालंदा परिसर रायपुर में बच्चों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 80 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण-संवेदनशीलता पर आधारित सुंदर व संदेशपूर्ण चित्र प्रस्तुत किए। इस वर्ष की पोस्टर प्रतियोगिता का विषय था प्लास्टिक का खात्मा, जिसमें बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लेकर अपने विचारों को रंगों के माध्यम से प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य रसायनज्ञ नीलिमा सोनकर और चंद्रिका कंवर उपस्थित रहीं। इनके साथ पर्यावरण संरक्षण मंडल के वैज्ञानिक मानिक चंदेल भी विशेष रूप से मौजूद थे।

रंगोली से किया सेना को सलाम

पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय में ऑपरेशन सिंदूर विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सिद्धार्थ गुप्ता और दूसरा स्थान मेघा अग्रवाल ने प्राप्त किया। महाविद्यालय के निदेशक डॉ. वीके अग्रवाल ने कहा कि प्रतियोगिता से बच्चों ने इतने संवेदनशील विषय को बखूबी रंगोली में उभारने का अच्छा प्रयास किया। प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि ग्रीष्मकालीन प्रतियोगिता में अलग-अलग विधाओं में हर साल प्रतिभागी शामिल होते हैं, जिस तरह से वो प्रतियोगिता में अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे हमारा मनोबल बढ़ता है।

लाइव इवेंट

लाल पहाड़...बोस द मिसिंग फाइल्स में दिखेगा नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मृत्यु का सच

रायपुर। लाल पहाड़... बोस द मिसिंग फाइल्स एक संवेदनशील कहानी और पटकथा है, जो नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जीवन पर आधारित फीचर फिल्म है। जिसे चम्पक बैनर्जी, दादा साहेब फाल्के गोल्डन कैमरा अवार्ड, भारत सिने अवार्ड, ऋतुपर्नो घोष मेमोरियल कोलकाता फिल्म फेस्टिवल अवार्ड विनर द्वारा तैयार किया गया है। जो शीघ्र ही बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है, जिसमें 70 साल से किसी न किसी वजह से जो फाइल्स नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मिसिंग थी और किसी भी सरकार ने वो फाइल्स दर्शकों तक आने नहीं दी। फिल्मकार चम्पक बैनजी ने 'राइट टू इन्फार्मेशन एक्ट' के अंतर्गत संपूर्ण दिखा दी है, जिससे यह साबित हुआ है कि 18 अगस्त 1945 को कोई प्लेन क्रैश नहीं हुआ था, जिसमें नेताजी सुभाषचंद्र बोस को मृत घोषित किया गया था। इस फिल्म "में चौंकाने वाली ऐसी फाइल्स हैं, जो रशिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी से ओरिजिनल प्रिंट के साथ दिखाई गई हैं।

7 अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में नॉमिनेशन

फिल्म की कहानी में तीन युवा नेताजी से संबंधित दस्तावेज लेकर जंगल की ओर भाग जाते हैं। अबूझमाड़, बस्तर, गढ़चिरौली, सुकमा, दंतेवाड़ा, झारखंड, बिहार, कलकत्ता, नागपुर, विदर्भ क्षेत्र में पांच शेड्यूल में फिल्म एशिया के सेकेण्ड लॉर्जेस्ट फॉरेस्ट घने जंगलों में एवं कुछ रिजर्ल्ड फॉरेस्ट बेल्ट में इस फिल्म की शूटिंग कम्पलीट की गई है, जिसमें मिलिट्री कमांडर विक्रांत चम्पक बैनर्जी के नेतृत्व में कुछ दिशाहीन भटके हुए, नक्सली आंदोलन से जुड़े 40 कलाकारों ने फिल्म में काम किया है। फिल्म चार खूबसूरत गानों से सजी एक लीक से अलग हटकर कहानी पर फिल्म बनी है।

सिटी इवेंट

250 वर्ष पुरानी श्रीमुनि सुव्रत स्वामी भगवान की प्रतिमा आज होगी स्थापित

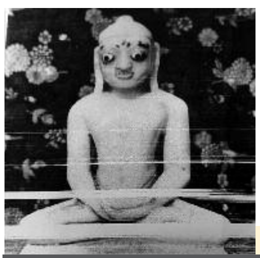

रायपुर। कचना स्थित आनंदम वर्ल्ड सिटी में नवनिर्मित श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय में प्रतिष्ठा महोत्सव 8 और 9 जून को भव्यता के साथ मनाया जाएगा। प्रन्यास प्रवर गणाधीश विनय कुशल मुनिजी विराट तपस्वी गणी विरगमुनिजी आदि ठाणा की पावन निश्रा में मंदिर में 250 वर्ष प्राचीन श्री मुनिसुव्रत स्वामी की प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा। इस दौरान शासन रत्न विश्व विख्यात विधिकारक मनोज बाबूमलजी हरण के कुशल मार्गदर्शन में धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना एवं सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। प्राचीनकाल में जब आक्रमणकारियों ने आगरा पर हमला किया था, उस समय इस प्रतिमा को लखनऊ के एक मंदिर के भंडार गृह में सुरक्षित रखा गया था। अब वर्षों बाद यह प्रतिमा रायपुर लाई गई है। प्रतिष्ठा समारोह को लेकर श्री संघ में उत्साह का माहौल है।

दो दिनों तक चलेगा महोत्सव

मुनिश्री सुव्रतस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के मनोज कोठारी एवं जैन संघ के अध्यक्ष संजय गिड़िया ने बताया, दो दिवसीय चल प्रतिष्ठा महोत्सव में 8 जून रविवार को सुबह 7.30 बजे स्नात्र पूजन, 8.30 बजे श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव महापूजन प्रारंभ, 10.30 बजे विशेष अतिथियों का बहुमन होगा और दोपहर 12 बजे साधर्मिक वात्सल्य एवं रात 8 बजे आरती एवं प्रभु भक्ति का आयोजन किया गया है। वहीं 9 जून सोमवार को सुबह 7 बजे गुरु भगवंत एवं प्रभुजी का मंगल प्रवेश होगा, 7.15 बजे स्नात्र पूजा के बाद नवकारसी होगी, सुबह 8.15 पर जिनालय खनन मुहूर्त, 10 बजे धर्मसभा एवं अतिथियों का बहुमान, 11 बजे अठारह अभिषेक, 11.45 बजे चल मंदिर प्रतिष्ठा और दोपहर 12.05 बजे साधर्मिक वात्सल्य का आयोजन किया गया है।

देशभर से पहुंचे 35 साहित्यकारों ने बताई अपनी संस्कृति-परंपरा

बंजारा समाज में खुशी और गम को गीतों में पिरोनी की परंपरा, सौंरा जनजाति में आज भी पत्र से शादी का प्रस्ताव

देशभर के बहुल्य क्षेत्रों में आदिवासी जनजातियां निवास करती हैं, जो अपनी भिन्न संस्कृति एवं परंपराओं के साथ जीवित हैं। साहित्य अकादमी नई दिल्ली एवं साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय आदिवासी लेखक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। दो दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत सिविल लाइंस स्थित कन्वेंशन हॉल में की गई, जहां देशभर से 35 साहित्यकारों ने उपस्थिति दर्ज कराई। सम्मेलन तीन सत्रों में किया गया, जिसमें संस्कृति के संरक्षण में जनजातीय भाषाओं का महत्व, बहुभाषी कहानी-पाठ एवं कविता पाठ विषयों पर चर्चा की गई।

रायपुर। सम्मेलन के दौरान आदिवासी जनजातियों की संस्कृति, भाषा एवं जीवनशैली के विषय चर्चा का मुख्य आधार रहे, जिसमें बी. कामकोटि, माधुरी यादव, उपेंद्र अणु, नीलूराम कोर्रम, इनाम गमांग, शिवशंकर कश्यप, जयश्री साहू आदि साहित्यकार उपस्थित रहे, जिन्होंने आदिवासी जीवनशैली को सरल शब्दों में समझाने का प्रयास किया। छत्तीसगढ़, झारखंड, गुजरात, राजस्थान, ओडिशा, मध्यप्रदेश, मणिपुर, तेलंगाना के अलावा अन्य राज्यों से साहित्यकार मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद से विवेक आचार्य ने किया। सम्मेलन के दूसरे दिन विरासत की रक्षा के लिए आदिवासी साहित्य का वैभव विषय पर चर्चा की जानी है।

अखिल भारतीय आदिवासी लेखक सम्मेलन का आयोजन

बंजारा समुदाय में जन्म से लेकर मृत्यु तक गीत गाने की परंपरा

देशभर में बंजारा समुदाय अपने लोकगीतों के लिए प्रसिद्ध है, जहां विवाह से पूर्व वधू को रोने की कला सिखाई जाती है। विवाह के दौरान रोते वक्त परिवार के प्रत्येक व्यक्ति का जिक्र होना अनिवार्य है, जहां नाम से संबोधित कर स्वर में रोया जाता है। आधुनिक दौर में आदिवासी अंचलों में यह परंपरा आज भी जारी है। साहित्यकार डॉ. गीता ने बताया कि बंजारा समुदाय में बच्चे के जन्म से लेकर, किसी व्यक्ति के मृत्यु तक गीत गाया जाता है।

गोंडी आदिवासी जनजातियों की जीवनशैली पर कहानी पाठ

आदिवासी गोंडी संस्कृति के महत्व को बताने बस्तर से नीलूराम कोर्रम सम्मेलन में शामिल हुए, जिन्होंने गोंडी आदिवासी जनजाति की जीवनशैली पर 4-5 साल की मेहनत से कहानी पाठ तैयार किया। नीलूराम प्रायमरी स्कूल में प्राध्यापक हैं, जो हिंदी भाषा की कहानी व कविताओं को गोंडी बोली में अनुवाद कर बच्चों को पढ़ाते हैं, ताकि युवा पीढ़ी को गोंडी बोली की समझ और जानकारी हो सके, इन दिनों यह बोली विलुप्ति की कगार पर है, जिसे बचाने यह प्रयास किया जा रहा है। बातचीत में बताया कि गोंडी जनजातियों में शिकार का विशेष महत्व है, जहां शिकार पर जाने से पहले, शिकार की विधा, विजय के बाद घर वापसी, जश्न और भोजन तैयार करने तक के सफर को गोंडी जनजाति अपने नृत्य में दर्शाती है। आदिवासियों की यह प्राचीन मान्यता है, जो उनकी वीरता को दिखाती है।

सौरा जनजाति में विवाह का अनोखा प्रावधान, पत्र भेजकर कन्या की मंजूरी

ओडिशा राज्य की सौंरा जनजाति ऐसा समुदाय है, जहां विवाह प्रस्ताव पत्र के आधार पर होता है। इस समुदाय में प्रेम विवाह का कोई प्रावधान नहीं। साहित्यकार इनाम गमांग साल 1997 से अब तक सौंरा जनजाति की जीवनशैली और रहन-सहन पर विशेष अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विवाह से पूर्व वर अपनी मनपसंद कन्या को बाजार में प्रस्ताव पत्र देता है, जिसके बाद कन्या की मंजूरी से विवाह प्रक्रिया पूर्ण मानी जाती है। यह परंपरा आदिकाल से चली आ रही है, जो आज भी जारी है। इन जनजातियों के प्रत्येक घर में मुर्गी पालन अनिवार्य है, जहां आज भी लोग मुर्गी की आवाज से ही समय का आकलन करते हैं। आम, कटहल और खजूरी के वृक्ष को दोस्त का दर्जा दिया गया है, जहां सियार एवं प्रकृति को पूजा जाता है।

मस्जिदों-ईदगाहों में पढ़ी ईद उल अजहा की नमाज, एक-दूसरे को गले लगाया

रायपुर। ईद उल अजहा के मुबारक मौके पर शहर में सुबह 6 बजे से ही उत्साह का माहौल रहा। इस बार लोगों की सुविधा को देखते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में कुल 61 मस्जिदों और ईदगाह मैदानों में लोग बकरीद के मौके पर नमाज अता करने के लिए अलसुबह से ही छोटापारा, ईदगाह मैदान सहित सभी जगहों पर नमाज अता करने के लिए लोगों का हुजूम देखने को मिला। पहली नमाज छोटापारा मस्जिद में लोगों ने सुबह 6 बजे पढ़ी। इसके बाद कहीं एक तो कहीं दो जमात में लोगों को नमाज पढ़ने के लिए सुविधा मुहैया कराई गई। बकरीद की आखरी नमाज हलवाई लाइन स्थित मस्जिद में सुबह 10.45 बजे पढ़ी गई। बकरीद पर हर किसी ने नमाज के बाद अमन-चैन की दुआ मांगी। इसके बाद एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद देते हुए घर लौटे।

दस दिनों तक नहीं कटवाते बाल-नाखून

आगे बताया कि जो कुर्बानी करने का फैसला करते हैं, ऐसे लोग बकरीद के दस दिन पहले से ही बाल-नाखून कटवाना और दाढ़ी बनवाना बंद कर देते हैं। कुर्बानी के बाद ऐसे लोगों द्वारा हजामत कराई जाती है। इस नियम का पालन ऐसे सभी लोग करते हैं, जिनके नाम से कुर्बानी दी जाती है। इसका पालन इस बकरीद के मौके पर भी लोगों ने किया। मौलाना ने समाज के लोगों को ईद से जुड़ी हुई कई जानकारी दी।

निभाई तीन हिस्से में बांटने की परंपरा

मौलाना ने आगे बताया कि बकरीद का यह पर्व न केवल हमें सामाजिक कार्यों की राह दिखाता है, बल्कि कई और संदेश भी देता है। कुर्बानी को तीन हिस्से में बांटने की परंपरा आज भी निभाई जाती है। इसमें भी एक हिस्सा परिवार के लिए, दूसरा गरीबों के लिए और तीसरा संबंधियों के लिए तय किया गया। गरीबों के हिस्से को बांटने की जिम्मेदारी समाज के युवाओं द्वारा हर साल की तरह निभाई गई, ताकि कुर्बानी का एक हिस्सा गरीबों को मिले। वहीं रिश्तेदारों का हिस्सा भी लोगों ने कुर्बानी के बाद पहुंचाया। इन परंपराओं से ही बकरीद की खुशियां भी जुड़ी हैं।

रंगमंदिर में लोकनाट्य भरथरी वैराग्य की गाथा का मंचन 10 को

रायपुर। राज्य शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से बारुका गरियाबंद की संस्था रंग सरोवर द्वारा लोकनाट्य भरथरी वैराग्य की गाथा का मंचन राजधानी के रंग मंदिर में 10 और 11 जून को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दोनों दिन शाम 7 बजे शुरू होगा। छत्तीसगढ़ की सिद्धहस्त भरथरी गायिका स्व. सुरुज बाई खांडे की 76वीं जयंती पर उनके पुण्य स्मरण के तौर पर इसका मंचन किया जा रहा है। भरथरी नाटक का आलेख, गीत, संगीत और निर्देशन छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध रंगकर्मी भूपेंद्र साहू ने किया है। इस लोकनाटक की प्रस्तुति कला मंदिर भिलाई में 12 और 13 जून, गोविंद राम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में 14 और 15 जून तथा जिला ऑडिटोरियम बलौदाबाजार में 16 जून को होगी।

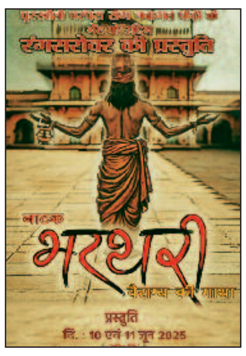

कार्नर न्यूज

राज्य बाल कल्याण परिषद की पहल, विशेष दिव्यांग स्कूल में थैरेपी से दिव्यांग बच्चों को मिल रही नई उड़ान

इलाज से बदल रहा दिव्यांग बच्चों का जीवन, आवाज सुधारने दे रहे स्पीच थैरेपी, आईक्यू टेस्ट से व्यवहार में सुधार भी

रायपुर। दिव्यांगता भले ही जीवनभर साथ रहे, लेकिन समय पर सही इलाज और मार्गदर्शन से उसे काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। शहर में राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा सप्रे स्कूल प्रांगण में संचालित विशेष विद्यालय दिव्यांग बच्चों के जीवन को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है। यह मध्यभारत का पहला ऐसा विद्यालय है, जहां दिव्यांग बच्चों को एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार की विशेष थैरेपी देकर उनकी दिव्यांगता पर नियंत्रण का प्रयास किया जाता है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें और सामान्य बच्चों के साथ स्कूल में आगे की पढ़ाई सामान्य रूप से कर सकें। विद्यालय में जब किसी दिव्यांग बच्चे को लाया जाता है तो सबसे पहले उसकी आवश्यकताओं के अनुसार बौद्धिक अवलोकन एवं असेसमेंट कर भिन्न-भिन्न थैरेपी दी जाती है। इन थैरेपी से बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से धीरे-धीरे मजबूत होते हैं। जब बच्चा सामान्य गतिविधियों को करने में सक्षम हो जाता है तो उसे इसी विशेष विद्यालय की सामान्य कक्षा में शामिल किया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि बच्चे सामान्य वातावरण में ढल सके और आगे चलकर किसी भी सामान्य स्कूल में पढ़ाई कर सके। पुनर्वास केंद्र में जब बच्चे सामान्य हो जाते हैं तो उन्हें केंद्र के ही प्री-प्राइमरी स्कूल में एडमिशन दिया जाता है, ताकि वे मानसिक रूप से सामान्य स्कूल जाने के लिए तैयार हो सकें।

शिक्षा और चिकित्सा से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं

विद्यालय में बच्चों के लिए शिक्षा और चिकित्सा से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां एक पुस्तकालय है, जिसमें चिकित्सा से संबंधित किताबें हैं। साथ ही शैक्षणिक चार्ट, थ्री-डी वीडियो मॉडल, कंप्यूटर और प्रोजेक्टर की भी सुविधा है। बच्चों को रचनात्मक और मनोरंजक गतिविधियां जैसे ड्रॉइंग, क्राफ्ट, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्लाइडर और ट्रैम्पोलिन में भी शामिल किया जाता है। इन गतिविधियों से बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा मिलता है।

मानसिक क्षमता के अनुसार शिक्षा

तीसरी रेमेडियल थेरेपी है, जो पढ़ने-लिखने में कमजोर या ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों के लिए होती है। इसमें उनकी मानसिक क्षमता के अनुसार अभ्यास आधारित शिक्षा दी जाती है। चौथी थेरेपी नैदानिक मनोचिकित्सा है, जिसमें बच्चों के मानसिक विकास पर काम किया जाता है। इसमें उनका आईक्यू परीक्षण किया जाता है और काउंसिलिंग व बिहेवियर द्वारा व्यवहार में सुधार लाया जाता है। पांचवीं फिजियोथैरेपी है, जो बच्चों की शारीरिक विकासात्मक मांसपेशियों की ताकत और शरीर के संतुलन को बेहतर बनाती है। इससे बच्चे आत्मनिर्भर बनते हैं और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। साथ ही यहां पर हाइड्रो थैरेपी या एक्वाथैरेपी भी दी जाती है।

देते हैं पांच प्रमुख प्रकार की थैरेपी

विद्यालय में पांच प्रमुख प्रकार की थैरेपी दी जाती हैं। पहली, स्पीच थेरेपी, जो उन बच्चों को दी जाती है, जिन्हें सुनने या बोलने, हकलाकर बोलने में शब्दों का सही उच्चारण नहीं कर पाने की वजह से परेशानी होती है। यदि सुनने में कमी पाई जाती है तो उन्हें हियरिंग एड यानी श्रवण यंत्र दिया जाता है और फिर बोलने की ट्रेनिंग दी जाती है। दूसरी ऑक्यूपेशनल थेरेपी है, जिसमें बच्चों को रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए तैयार किया जाता है। यह थैरेपी सेंसरी संवेदनात्मक रूम में दी जाती है, जो रंगबिरंगी रोशनी और सजावट एवं गमक कौशल से बच्चों को सक्रिय बनाए रखती है।

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

(स्थापना: 8 जून 2022)

"रखें अपने स्वास्थ्य का सम्पूर्ण ख्याल – हमारे साथ"

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने पूरे किए सफलता के 3 वर्ष (स्थापना: 8 जून 2022) "स्वास्थ्य है सर्वोपरि" – इसी सोच के साथ 8 जून 2022 को स्थापित निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, आज अपने 3 वर्षों की सफल यात्रा पूरी कर चुका है। सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता के मूल मंत्र के साथ, अस्पताल ने रायपुर समेत आसपास के क्षेत्रों में हज़ारों लोगों का विश्वास जीता है। इन तीन वर्षों में अस्पताल ने 400+ सफल सर्जरी, 4000+ IPD मरीजों और 5000+ OPD सेवाओं के साथ स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। इसी उद्देश्य को लेकर " निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल" की स्थापना की गई – जहाँ आधुनिक चिकित्सा, अनुभवी डॉक्टर, उन्नत तकनीक और करुणा से भरी सेवा का समावेश है। पिछले 3 वर्षों से हम रायपुर व आसपास के क्षेत्रों में सतत सेवा दे रहे हैं, और आज एक भरोसेमंद नाम बन चुके हैं।

विशेष अवसर पर सौगात

वर्षगांठ के मौके पर, अस्पताल महिलाओं के लिए एक विशेष योजना के तहत डिलीवरी (सामान्य व सर्जिकल) की सुविधा आधी कीमत पर उपलब्ध करवा रहा है। साथ ही, हर नवजात शिशु के लिए एक प्यारा सा झूला (झूला गिफ्ट) भी अस्पताल की ओर से भेंट किया जा रहा है।

हमारी विशेषताएं:

- ☑ 3 वर्षों से आपकी सेवा में समर्पित
- ☑ फ्री OPD सेवा
- ☑ 24x7 आपातकालीन सेवा
- ☑ Experienced Doctors & Trained Medical Staff
- ☑ सभी प्रमुख विशेषज्ञताओं की सुविधा एक ही छत के नीचे
- ☑ PETROLEUM सेवाएं, मेडिकल एवं इमरजेंसी सपोर्ट हमेशा उपलब्ध
- ☑ नई तकनीकों से सुसज्जित आधुनिक उपकरण

हमारे अनुभवी डॉक्टर और विशेषज्ञ विभाग:

1. **मेडिसिन विभाग:** सामान्य बीमारियों से लेकर जटिल रोगों तक का सम्पूर्ण इलाज।
2. **हड्डी रोग विभाग (ऑर्थोपेडिक):** फ्रैक्चर, जोड़ दर्द, स्लिप डिस्क, गठिया व अन्य हड्डी संबंधित समस्याओं का समुचित इलाज।
3. **यूरोलॉजी विभाग:** पेशाब संबंधित समस्याओं, पथरी, प्रोस्टेट आदि का उपचार।
4. **स्त्री रोग विभाग (Gynecology):** महिलाओं की हर स्वास्थ्य समस्या जैसे पीरियड्स, गर्भावस्था, PCOD/PCOS आदि का विशेषज्ञ इलाज। सामान्य एवं सर्जिकल डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध।
5. **त्वचा रोग विभाग (Dermatology):** चेहरे की एलर्जी, फंगल इंफेक्शन, एक्ने, झाइयाँ, सफेद दाग आदि का समुचित उपचार।
6. **हृदय रोग विभाग (Cardiology):** ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफी, हृदय से संबंधित सभी जरूरी जाँच एवं सलाह।
7. **आँख विभाग (Ophthalmology):** आँखों की जाँच, चश्मे की पावर, मोतियाबिंद, रेटिना संबंधी सेवाएँ।
8. **दांत रोग विभाग (Dental):** दांत की सफाई, ब्रेसेस, एक्सट्रैक्शन, रूट कैनाल आदि सेवाएँ।
9. **फिजियोथेरैपी विभाग:** लकवा, मांसपेशियों की कमजोरी, चोट के बाद रिकवरी के लिए फिजियोथेरैपी सुविधा।
10. **न्यूरोलॉजी विभाग:** माइग्रेन, दौरा, ब्रेन स्ट्रोक, रीढ़ की हड्डी के रोगों का उपचार।
11. **जनरल सर्जरी विभाग:** हर प्रकार की सामान्य एवं जटिल सर्जरी – जैसे एपेंडिक्स, हर्निया, गॉलब्लैडर, बवासीर, फिशर आदि।
12. **नेबुलाइज़र एवं एक्स-रे सुविधा:** रोग की पहचान और तुरंत उपचार के लिए ऑनस्पॉट सुविधा।

हमारी विशेषज्ञ टीम:

डॉ. एल.के. निर्मलकर (संस्थापक)
समाज सेवा एवं चिकित्सा सेवा में समर्पित
मरीजों के प्रति संवेदनशील, सहज एवं अनुभवी दृष्टिकोण

डॉ. गोविंद पाल (MBBS, MD - General Medicine)
40 वर्षों से अधिक का अनुभव

डॉ. सुरेन्द्र जयसवाल (MBBS, MD, DNB) हॉस्पीटल डायरेक्टर
डॉ. हिमानी पुन्सी (MBBS, MS, Obs & Gyanea)
डॉ. मनोज पोपटानी (MBBS, MS)

हमारी 24x7 सेवाएं:

आपातकालीन मरीजों के लिए हर समय उपलब्ध एम्बुलेंस
ICU, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सुविधाएँ
जनरल वार्ड से लेकर प्राइवेट रूम तक सभी प्रकार की सुविधाएं

क्यों चुनें "निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल"?

- आपके स्वास्थ्य के प्रति हमारी पूरी प्रतिबद्धता
- हर रोग का एक ही जगह इलाज – समय और पैसा दोनों की बचत
- नवीनतम तकनीक के साथ विश्वसनीय उपचार
- मरीजों की संतुष्टि ही हमारा पहला उद्देश्य
- स्वस्थ भारत की ओर एक छोटा लेकिन मजबूत कदम

अगर आप या आपके परिवार का कोई सदस्य किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहा है, तो आज ही निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल से संपर्क करें। यहाँ पर मिलेगा आपको संपूर्ण चिकित्सा समाधान – वो भी स्नेह, सेवा और सम्मान के साथ।

सर्वोत्तम संभव और भरोसेमंद इलाज

सिटी स्पोर्ट्स

तीसरी राष्ट्रीय सी कायाकिंग प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को मिले दो गोल्ड मेडल

रायपुर। तीसरी राष्ट्रीय सी कायाकिंग और स्टैंड-अप पैडलिंग चैंपियनशिप-2025 का आयोजन 5 से 8 जून तक मछलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश में किया जा रहा है जिसमे छत्तीसगढ़ के सौरभ साहू को सी कायाक के -1 (के-1) केटेगरी के 500 मीटर और 2 किलोमीटर में दो गोल्ड मेडल प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ टीम के साथ गए प्रशांत सिंह रघुवंशी सह सचिव भारतीय कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, व सह सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव का दिन रहा, जब प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को दो गोल्ड मेडल प्राप्त हुए है। उल्लेखनीय है कि सौरभ साहू ने इससे पहले 24 से 28 अप्रैल तक भोपाल में हुई 35वी राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट जूनियर व सब जूनियर चैंपियनशिप के-4 के 200 मीटर इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया था। आंध्रप्रदेश में प्रतियोगिता अभी चल रही है छत्तीसगढ़ को और पदक मिलने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ कायाकिंग केनोईंग को पहली बार इस इवेंट में दो गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है। सौरभ साहू को उनकी इस उपलब्धि पर बलदेव सिंह भाटिया, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, अभिजीत मिश्रा, सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, प्रशांत सिंह रघुवंशी सह सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, अमरजीत छाबड़ा सह सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग केनोईंग एसोसिएशन, दिव्यम अग्रवाल, रविंद्र सिंह और डॉ नवीन बाफना सहित संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

क्रिकेट में वेस्ट जोन की दो विकेट से जीत

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर वूमेंस/अंडर 23, टी 20 चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत रोमांचक मुकाबले जारी है। शनिवार को बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में टीम वेस्ट जोन ने साउथ जोन के विरुद्ध दो विकेट से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में साउथ जोन ने 7 विकेट पर 118 रन बनाए। मिताली शर्मा ने 42 रन, संजना पारधी ने 22 रन और अंजली शर्मा ने नॉट आउट 20 रन बनाए। गेंदबाजी में वेस्ट जोन की संजीता पटेल ने तीन विकेट, कृति गुप्ता ने 2 विकेट, रिमी गिडियन एवं डाली ने एक -एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में वेस्ट जोन ने 8 विकेट पर 120 रन बनाए। जिसमें कृति गुप्ता ने नॉट आउट 31 रन, निधि सूर्यवंशी ने 30 रन और संजीता पटेल ने 16 रन बनाए। गेंदबाजी में साउथ जोन की आरती यादव ने 3 विकेट, पल्लवी वर्मा एवं सृष्टि शर्मा ने एक-एक विकेट लिए। तीन खिलाड़ी रन आउट हुए।

सीसीपीएल में राजनांदगांव पैंथर्स की जीत, अजय प्लेयर ऑफ द मैच

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के दूसरे दिन का पहला मैच राजनांदगांव पैथर्स ने जीत लिया। अजय मंडल प्लेयर ऑफ द मैच बने। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के द्वितीय संस्करण का आयोजन 06 जून से 15 जून तक शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में किया जा रहा है। शनिवार का पहला मैच राजनांदगांव पैंथर्स तथा रायगढ लायंस के मध्य खेला गया। राजनांदगांव पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। रायगढ लांयस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 145 रन बनाये। रायगढ लांयस की ओर से किवनूर सिंह छाबडा ने 33 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली। उनके अतिरिक्त ऋषभ तिवारी ने 24 रन तथा शुभम अग्रवाल ने 18 रनों का योगदान दिया। राजनांदगांव पैंथर्स की ओर से कप्तान अजय मंडल तथा देव आदित्य सिंह ने 3-3 विकेट प्राप्त किये। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजनांदगांव पैंथर्स की शुरुवात काफी खराब रहीं, पहले ही ओवर में उनके 2 विकेटों को पतन हो गया। परंतु उसके बाद कप्तान अजय मंडल की मैच जिताउ पारी की बदौलत राजनांदगांव ने 16.5 ओवरों में 3 विकेट खोकर 146 रनों का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। राजनांदगांव की ओर से कप्तान अजय मंडल ने शानदार 73 रन नाबाद बनाये। उनके अतिरिक्त पवन परनाते ने भी नाबाद 40 रनों का योगदान दिया। रायगढ लांयस की ओर से प्रवीण कुमार यादव ने 2 विकेट प्राप्त किये। राजनांदगांव पैंथर्स ने मैच 7 विकेट से जीत लिया।

इस मौसम में क्या खाएं और क्या नहीं, इसे लेकर सचेत रहना जरूरी

मानसून दस्तक दे रहा, खान-पान को लेकर बरतें सावधानी वरना पड़ सकते हैं मुश्किल में

देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसून बस आने को है। ये मौसम भीषण गर्मी से राहत दिलाने वाला माना जाता है, पर मानसून अपने साथ कई प्रकार की बीमारियों को लेकर भी आता है। हालांकि मानसून अभी आया नहीं है लेकिन सेहत और खान-पान को लेकर आपकी तैयारी अभी से होनी चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसून के दौरान सेहत के लेकर विशेष सावधानी बरतनी जरूरी है। क्या खाएं-क्या नहीं इस बात को लेकर अलर्ट रहने की जरूरत है। खान-पान में बरती गई असावधानी फूड पॉइजनिंग जैसी पाचन से संबंधित दिक्कतों का कारण बन सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, मानसून के दिनों में डायरिया, कब्ज और अपच जैसी पाचन स्वास्थ्य से संबंधित जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। फूड पॉइजनिंग से बचाव को लेकर उपाय करते रहना जरूरी है। आइए जानते हैं, मानसून में पाचन संबंधित समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं और इसस बचाव के लिए आहार संबंधित किन बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मानसून में फूड पॉइजनिंग का खतरा

फूड पॉइजनिंग बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी से दूषित खाद्य या पेय पदार्थों के कारण होने वाली समस्या है। आहार विशेषज्ञ गरिमा चावला बताती हैं, गर्मियों से लेकर मानसून तक का समय कई प्रकार के संक्रामक रोगों का जोखिम बढ़ाने वाला माना जाता है। इस दौरान खाद्य जनित संक्रमण का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता है जिसके कारण फूड पॉइजनिंग हो सकती है। मानसून के दौरान खुले में या लंबे समय तक रखे गए भोजन में हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस पनपने लगते हैं जिससे पाचन स्वास्थ्य से संबंधित दिक्कतों का खतरा हो सकता है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

अमर उजाला से बातचीत में दिल्ली स्थित एक अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट डॉ अमित सिंह बताते हैं, बरसात के दिनों में सब्जियों-फलों को अच्छी तरह से धोकर और साफ करके ही खाना चाहिए। मानसून में बाहर खाने-पीने से बचना चाहिए। स्ट्रीट फूड, ज्यादा तेल वाली चीजें पाचन स्वास्थ्य के लिए समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि मानसून के दिनों में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं?

मानसून में क्या खाना चाहिए?

मानसून के दौरान कुछ चीजों को आहार में शामिल करना लाभकारी हो सकता है। आहार में प्रोबायोटिक्स शामिल करें: दही, छाछ जैसी चीजों का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। प्रोबायोटिक्स वाली चीजें गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देती हैं जिससे हमारा पाचन तंत्र ठीक रहता है। हाइड्रेशन जरूरी: पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है। पाचन संबंधित समस्याओं और विषाक्तता से बचे रहने के लिए उबाल कर ठंडा करके पानी पिएं।

क्या नहीं खाना चाहिए?

मानसून के दौरान होने वाली समस्याओं से बचे रहने के लिए कच्ची सब्जियां खाने से बचें। कच्ची सब्जियों के बजाय उबली हुई या अच्छे से पकाकर ही सब्जियां खाएं। पत्तेदार साग खाने से भी इस मौसम में बचा जाना चाहिए। पत्तियों के बीच नमी के कारण इनमें विषाणुओं के पनपने का खतरा रहता है। साग खाने से बचना चाहिए।

बच्चे को सिखाना है साफ-सुथरा रहना, तो अपनाएं आसान टिप्स

माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों में साफ-सफाई की अच्छी आदतें डालें, क्योंकि ये उनकी सेहत और लाइफस्टाइल, दोनों से जुड़ी हैं। बच्चे कुछ बड़े क्या होते हैं कि खुद से नहाने की जिद करने लगते हैं। आप जब उन्हें नहलाती हैं तो उनकी साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखती हैं। लेकिन वे खुद से इस उम्र में सही तरह से नहीं नहा सकते, जिससे उन्हें कई तरह की बीमारियों का खतरा हो सकता है। इसी तरह बच्चों की इम्यूनिटी हमारे मुकाबले काफी कमजोर होती है और ऐसे में सेहत के प्रति बरती गई थोड़ी-सी लापरवाही भी उन्हें बीमार कर सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप बच्चों की हाइजीन का खास ख्याल रखें और उन्हें छोटी उम्र से ही बॉडी हाइजीन हैबिट्स सिखाएं।

हाथों की सफाई

सेहतमंद रहने के लिए हाथों की सफाई बहुत जरूरी है। हमारे हाथों पर कई तरह के बैक्टीरिया और वायरस होते हैं। ये बैक्टीरिया और वायरस हमारे शरीर के भीतर सबसे आसानी से हाथों से ही पहुंचते हैं। इसलिए बच्चों को कम उम्र से ही अपने हाथों को साफ रखना जरूर सिखाएं। उनमें आदत डालें कि वे खाना खाने से पहले और बाद में हाथों को अच्छी तरह साफ करें। वे खेलने, जानवरों को छूने, रोगियों से मिलने और बाहर से घर आने के बाद अच्छी तरह साबुन से अपने हाथों को साफ करें।

दांतों पर ध्यान

बच्चों के दांत आने के बाद आप उन्हें सही तरीके से उनकी सफाई करना सिखाएं। इसके अलावा कुछ भी खाने के बाद कुल्ला करना, सोने से पहले ब्रश करना और कोई भी ऐसी-वैसी चीज मुंह में लेने से मना करें। दांतों को साफ रखने की आदत उन्हें कैविटी से बचाएगी। साथ ही बच्चों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की आदत डालें। इससे उनके मुंह से बदबू नहीं आएगी और वे दिन भर हाइड्रेट भी रहेंगे।

वॉशरूम में

टॉयलेट भी ऐसी जगहों में से एक है, जहां से सबसे ज्यादा बीमारियां फैलती हैं। इसलिए आप बच्चों को छोटी उम्र से ही साफ तरीके से टॉयलेट यूज करना सिखाएं, ताकि उन्हें कोई बीमारी न लगे।

चाय के साथ खिलाएं खस्ता कचौड़ी

गर्मागर्म चाय के साथ चटपटा नाश्ता करने की चाह किसे नहीं होती है। अब हर दिन पकोड़े खाना मुमकिन नहीं, ऐसे में कुछ अलग अलग व्यंजनों और उनकी आसान रेसिपीज के बारे में जान लीजिए। आप थोड़ी सी दाल भिगोकर रख सकते हैं। मूंग दाल कई स्नेक्स बनाने के काम में आ सकती है। इस बार मूंग दाल से खस्ता कचौरी बनाने की आसान विधि जान लीजिए। इस विधि से गेंहू के आटे की बाजार जैसी खस्ता कचौड़ी बनाई जा सकती है। इसके इसके लिए आटे में सूजी मिलाकर गूंद लें। ये कचौड़ी की क्रिस्पी बना देगा। वहीं मैदे की कचौरी बहुत खस्ता बन सकती है। इसलिए अपने स्वाद के मुताबुकि दोनों ही आटे से कचौड़ी बना सकते हैं।

कचौड़ी बनाने की विधि

भीगी हुई मूंग की दाल को मिक्सी में दरदरा पीस लें। अब मैदा या गेहूं के आटे में सूजी मिलाकर एक चम्मच तेल और स्वादानुसार नमक डालकर आटा गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को कपड़े से ढककर रख दें।

कचौड़ी की स्टफिंग

कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें जीरा, सौंफ, धनिया पाउडर, कुटा हुआ साबुत धनिया, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और बेसन को मिलाकर धीमी आंच पर भून लें। अब इस मिश्रण में दरदरी पिसी दाल डालकर अच्छे से मिक्स करते हुए पका लें। फिर अमचूर और स्वादानुसार नमक मिला पकाएं। जब दाल अलग अलग होने लगे तो समझ जाएं कि मसाला पक गया है। इस स्टफिंग को ठंडा करें समान अनुपात में गोल बॉल्स तैयार कर लें।

खस्ता कचौड़ी रेसिपी

गूंथे हुए आटे में थोड़ा सा तेल लगाकर एक बार अच्छी तरह से गूंद लें। फिर छोटी लोइयां बना लें। लोई को कटोरी जैसा आकार देकर उसमें मसाले की तैयार बॉल रखें और पोटली की तरह बनाते हुए बंद कर दें।अब इसे छोटी पूरी के आकार में बेल लें, बेलते समय थोड़ा मोटा ही रखें। एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म करे और खौलते तेल में कचौड़ियां डालकर धीमी आंच पर डीप फ्राई करें। सुनहरी होने तक सभी कचौरियों को तलें, गर्मागर्म खस्ता कचौरियां तैयार हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना किस दिशा में करनी चाहिए?

यंत्रों को स्थापित करने से व्यवसाय में सफलता प्राप्त होती है। यंत्रों को स्थापित करने से स्वास्थ्य में सुधार होता है। यंत्रों को स्थापित करने से मन को शांति मिलती है। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बारे में विस्तार से जानिए कि घर की किस दिशा सूर्य यंत्र रखना शुभ माना जाता है।

घर की किस दिशा में स्थापित करें सूर्य यंत्र?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र को घर की पूर्व दिशा में स्थापित करना सबसे शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा होती है और इसे ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इससे सूर्यदेव की कृपा बनी रहती है और व्यक्ति के जीवन में मान-सम्मान, यश और सकारात्मकता का भी संचार होता है।

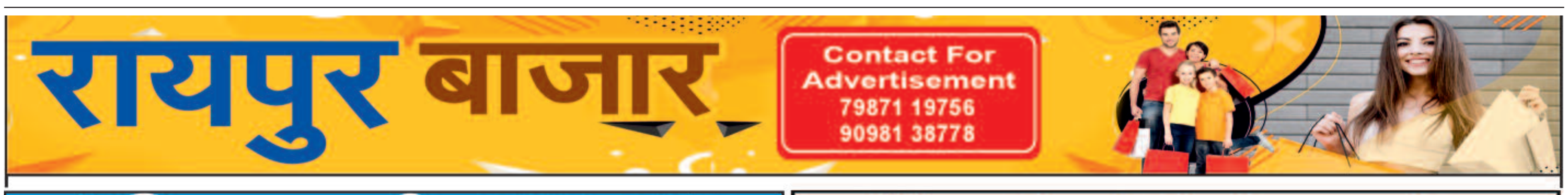

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हॉलीवुड स्टार डकोटा और क्रिस मार्टिन के अलगाव को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म

'फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे' अभिनेत्री डकोटा जॉनसन और कोल्डप्ले गायक क्रिस मार्टिन हाल ही में चर्चाओं में आ गए हैं। इस बार वजह है दोनों के ब्रेकअप की। सूत्रों के मुताबिक कहा जा रहा है कि दोनों के बीच आठ सालों का रिश्ता अब खत्म होने जा रहा है। इसकी कुछ वजहें भी सामने आई हैं। जानिए क्या है पूरी खबर।

हॉलीवुड स्टार्स डकोटा जॉनसन और क्रिस मार्टिन को मई महीने और भारत में महाकुंभ के दौरान एक साथ देखा गया था। साल 2017 से एक साथ रहने के बाद अब ये अलग हो रहे हैं। हालांकि, दोनों की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। साल 2024 में सूत्रों ने पीपल को बताया कि दोनों ने सालों पहले सगाई कर ली थी। हालांकि, सगाई की अफवाह 2020 में भी सामने आई थी, लेकिन उस समय ये शादी करने को तैयार नहीं थे। पिछले साल अगस्त 2024 में भी इस जोड़े के अलग होने की अफवाहें सामने आई थीं, लेकिन उस समय, जॉनसन के एक प्रतिनिधि ने कथित तौर पर इन दावों को खारिज करते हुए कहा था कि वे खुशी से साथ रह रहे हैं। पीपल की रिपोर्ट के अनुसार, उसी समय एक सूत्र ने कहा, 'जरूर, उनके बीच पहले भी कुछ मुद्दे रहे हैं और उन्होंने ब्रेक भी लिया है, लेकिन अब सब ठीक है। वे दोनों अपने करियर से प्यार करते हैं। वे अपनी क्षमता के अनुसार चीजों को संतुलित कर रहे हैं।' वहीं बताते चलें कि दोनों ने अपने रिश्तों को बहुत ही प्राइवेट रखा है। हॉलीवुड अभिनेत्री डकोटा जॉनसन ने अपनी आगामी फिल्म के प्रचार-प्रसार के दौरान रिश्तों के बारे में अपने विचार रखे।

टॉलीवुड

बाहुबली 1 और 2 रोमांचक ट्विस्ट के साथ फिर से होगी सिनेमाघरों में रिलीज

निर्देशक एसएस राजामौली की दोनों सुपरहिट फिल्में बाहुबली 1 और बाहुबली 2 अब एक बार फिर से सिनेमाघरों में रिलीज की जा रही है, लेकिन एक ट्विस्ट के साथ। 2015 और 2017 में रिलीज हुई प्रभास की ब्लॉकबस्टर फिल्में 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली: द कन्क्लूजन' में प्रभास, अनुष्का शेट्टी और राणा दग्गुबाती ने मुख्य भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता। बाहुबली 1 ने 650 करोड़ रुपये से ज्यादा और बाहुबली 2 ने 1,810 करोड़ रुपये की कमाई की। दोनों फिल्मों ने मिलकर 2,460 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की, जिससे यह भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फ्रैंचाइजी बन गई। हाल ही में कई फिल्मों ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, बाहुबली के निर्माता अक्टूबर में दोनों फिल्मों को दुनिया भर के सिनेमाघरों में फिर से रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि वे दोनों फिल्मों के मुख्य सीन को मिलाकर एक नई फिल्म बनाकर रिलीज करने का भी प्लान कर रहे हैं। यह एक नया ट्रेंड शुरू कर सकता है। बाहुबली ने तेलुगु सिनेमा की ताकत और शानदार बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को दिखाया। इस फिल्म ने प्रभास और राजामौली को भारतीय सिनेमा के सबसे बड़ा स्टार बनाया। फिल्म का निर्माण शोबू यारलागड्डा और प्रसाद देवीनेनी ने अर्का मीडिया वर्क्स के तहत किया। इस फिल्म में एमएम कीरवानी का संगीत सुपरहिट रहा।

प्रभास जल्द ही फिल्म 'द राजा साब' में नजर आएंगे। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म इस साल 5 दिसंबर को रिलीज हो रही है। द राजा साब को मारुति ने लिखा और निर्देशित किया है।

भोजपुरी

खेसारी का नया गाना रिलीज महिमा के साथ लगाए ठुमके

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव अपने अभिनय के साथ-साथ गायिकी के लिए भी मशहूर हैं। फैंस को उनके गाने का बेसब्री से इंतजार रहता है। एक्टर के गाने यूट्यूब पर जबर्दस्त लोकप्रिय भी होते हैं। आज शुक्रवार को खेसारी का नया गाना 'मौसमी' रिलीज हुआ है। इसमें वे महिमा सिंह के साथ ठुमके लगाते नजर आए हैं। जानते हैं फैंस का कैसा रिएक्शन है

खेसारी लाल का नया गाना 'मानस रिकॉर्ड्स भोजपुरी' के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। इस गाने को खेसारी लाल ने करिश्मा कक्कड़ के साथ मिलकर गाया है। कृष्णा बेदर्दी ने इसके लिरिक्स लिखे हैं। वहीं, महिमा सिंह और खेसारी पर यह गाना फिल्माया गया है।

शुक्रवार 6 जून की सुबह रिलीज हुए इस गाने को चंद घंटे में लाखों व्यूज मिल चुके हैं। हालांकि, खेसारी का यह गाना काफी डबल मीनिंग है। गाने में महिमा फल विक्रेता के रूप में नजर आई हैं। वहीं, खेसारी उनसे खरीदारी करते हैं। हर बार की तरह खेसारी ने इस गाने में भी शानदार डांस किया है। रिलीज के पांच घंटे के अंदर गाने को एक लाख 84 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। गाने पर यूजर्स की मिलीजुली प्रतिक्रिया आ रही है। खेसारी के फैंस काफी उत्साहित हैं। एक यूजर ने लिखा, "जो हर जगह अपना जलवा दिखाए उसे बिहारी कहते हैं। जो भोजपुरी इंडस्ट्री में अपना झंडा लहरा दे उसे खेसारी कहते हैं"।

इस्लामिक देशों का फैशन

लाइफ स्टाइल

दुनिया भर के इस्लामिक ड्रेसकोड में खास बात हिजाब की रहती है। हाल ही में वोग अरबिया के लॉन्च से लेकर यूनिक्लो और डोल्से एंड गब्बाना के मामूली फैशन लाइनों में शामिल होने तक इस्लामी शैली को खूब तारीफ मिली। सैन फ्रांसिस्को में इस्लामी संस्कृति को समर्पित अपनी तरह की पहली प्रदर्शनी हाल ही में लगाई गई। जिसमें मलेशिया का फैशन बेहद पसंद किया गया।

गोल्डन लटकन के डिजाइंस हैं सबसे अलग, खिल उठेगा आपका रूप

बाजार में रेडीमेड कपड़े मिलते हैं उसमें कोई भी लटकन को लगा दिया जाता है। इससे कई बार ड्रेस अच्छी नहीं लगती है। ऐसे में आप अपनी पसंद की गोल्डन लटकन लगा सकती हैं। इससे आपका आउटफिट सुंदर लगेगा।

गोल्डन बीड्स वाली लटकन

अगर आप सूट, साड़ी के ब्लाउज या लहंगे में लगाने के लिए लटकन सर्च कर रही हैं, तो इसके लिए आप इन बीड्स वाली लटकन लगा सकती हैं। इसे आप पीछे बैक डिजाइन वाली डोरी पर भी लगा सकती हैं। साथ ही, आगे अगर आप डोरी डिजाइन के लिए लगा रही हैं, तो उसपर भी इस तरह की लटकन को लगा सकती हैं।

गोल्डन बटन डिजाइन वाली लटकन

आप कुछ नया ट्राई करने के लिए इस बटन डिजाइन वाले लटकन को भी अपने आउटफिट में लगा सकती हैं। इससे आपका आउटफिट फैंसी लगेगा। इसमें आपको बटन और बीड्स के साथ लटकन का डिजाइन मिलेगा। इसे आप ब्लाउज में लगा सकती हैं। साथ ही, लहंगा या अन्य आउटफिट में इसे लगा सकती हैं।

मिरर वर्क लटकन डिजाइन

अगर आपको अपने आउटफिट को फैंसी बनाना है, तो इसके लिए आप इस मिरर वर्क वाली लटकन को लगा सकती हैं। इसमें आपको राउंड से लेकर स्क्वेयर डिजाइन में यह लटकन मिल जाएगी। जिसे आप सूट, साड़ी के ब्लाउज और लहंगे में लगा सकती हैं।

मंगलसूत्र के कुछ खास डिजाइंस जो आपके मन भाएंगे

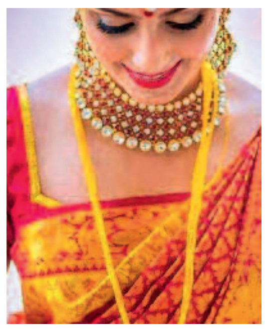

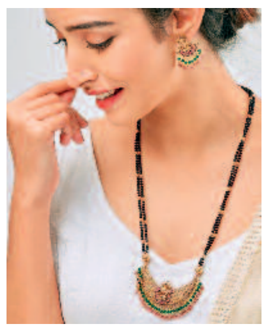

पुराने ट्रेडिशनल लगने वाले मंगलसूत्र के डिजाइंस से अगर आपका मन भी ऊब गया है, तो कुछ लेटेस्ट डिजाइन आप एक बार ट्राई कर सकती हैं। जब मंगलसूत्र डिजाइन का चुनाव करने की बारी आती है, तब हम बहुत ही कंफ्यूज हो जाते हैं। हमें बहुत सारी बातों का ध्यान रखना पड़ता कि मंगलसूत्र हैवी हो या लाइट, उसकी कीमत हमारे बजट में हो और दिखने में सबसे अलग भी नजर आए।

अमेरिकन डायमंड मंगलसूत्र डिजाइंस

अब काले मोती की लड़ में सोने का लटकता पेंडेंट वाला मंगलसूत्र आउटडेटेड हो चला है। अब जमाना फैंसी लुक वाले मंगलसूत्र का है और सोने के मंगलसूत्र में आपको बहुत सारे ऑप्शन मिल जाएंगे। आप यदि बहुत ज्यादा महंगा मंगलसूत्र नहीं खरीदना चाहती हैं, तो 14, 18 और 20 कैरेट गोल्ड में आपको लाइटवेट मंगलसूत्र मिल जाएगा। आप इस तरह के मंगलसूत्र में अमेरिकन डायमंड वाला छोटा या बड़ा पेंडेंट भी लगवा सकती हैं। जहां तक बात काले मोती की है, तो अब शगुन के 11 या 21 काले मोती के साथ भी मंगल सूत्र तैयार हो रहे हैं, तो आप भी अपने लिए ऑर्डर पर ऐसा ही मंगलसूत्र बनवा सकती हैं।

नाम और फोटो वाले मंगलसूत्र डिजाइंस

नाम वाले मंगलसूत्र का फैशन नया नहीं है, मगर इस डिजाइन का क्रेज अभी तक महिलाओं के अंदर है और अब इसमें नया अपडेट यह है कि आपको फोटो फ्रेम के साथ इस तरह के मंगलसूत्र मिल जाएंगे, जिसमें आप अपनी शादी की तस्वीर या फिर पति की फोटो लगवा सकती हैं। यदि दिखने में बहुत अच्छे लगते हैं। इस तरह के मंगलसूत्र में आपको डिजाइन अप्शन कम मिलेंगे, मगर आप फॉन्ट को अपनी पसंद के अनुसार चुनकर मंगलसूत्र को थोड़ा नया लुक दे सकती हैं। यह मंगलसूत्र भी आपको ऑर्डर पर बनवाना होगा और इसमें अधिकांश लाइटवेट मंगलसूत्र ही आपके देखने को मिलेंगे।

लिपस्टिक को फ्रिज में रखना कितना जरूरी, जानिए

मेकअप करना हम सभी पसंद करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा लिपस्टिक को होंठों पर हम लगाते हैं। वहीं गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। इस मौसम में अक्सर हम लिपस्टिक को स्टोर करने के लिए अलग-अलग तरीकों को आजमाते हैं। ऐसे ही सबसे ज्यादा हमने देखा होगा कि लिपस्टिक को फ्रिज में रखा जाता है। आखिर यह क्यों किया जाता है और यह कितना सही है? क्या आप जानते हैं? लिपस्टिक के कई प्रकार होते हैं और सभी टेक्सचर को हम फ्रिज में नहीं रख सकते हैं। अक्सर गर्मी के मौसम में हम ज्यादातर क्रेयॉन या वैक्स लिपस्टिक को पिघलने से बचाने के लिए फ्रिज में रखना पसंद करते हैं। इसके अलावा लिप्स को गर्मी के मौसम में ठंडक देने के लिए भी लिपस्टिक को फ्रिज में रखा जाता है।

किस तरह की लिपस्टिक को फ्रिज में रखना चाहिए?

मार्केट में आपको अनेक प्रकार की लिपस्टिक टेक्सचर देखने को मिल जाएंगी। इसमें ज्यादातर आपको क्रेयॉन और लिक्विड प्रोडक्ट्स देखने को मिलेंगे। बता दें कि मैट,

ग्लॉस और सेमी मैट लिपस्टिक को स्टोर करने के तरीके एक दूसरे से बिल्कुल अलग होते हैं। ज्यादातर क्रेयॉन में मिलने ग्लॉसी और सेमी मैट लिपस्टिक को गर्मी के मौसम में पिघलने से बचाने के लिए आप इसे फ्रिज में रख सकती हैं। वहीं लिक्विड में केवल ग्लॉस या शाइन वाली लिपस्टिक को आप फ्रिज में रख सकती हैं। ज्यादातर लिपस्टिक में ग्लॉस और मैट फिनिश को पसंद किया जाता है। ऐसे में हमें केवल ग्लॉस या शाइन वाली लिपस्टिक को ही फ्रिज में रखना चाहिए। गलती से भी आपको फ्रिज में मैट फिनिश लिपस्टिक को नहीं रखना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि मैट लिपस्टिक में ऑयली प्रदार्थ कम होते हैं और फ्रिज में रखी हुई लिपस्टिक को सीधे होंठों पर लगाने से ये लिप्स को ड्राई कर सकती है।

आंखों के नीचे पड़ रहे हैं एजिंग स्पॉट्स, तो अपनाएं ये ब्यूटी हैक्स

40 की उम्र होने के बाद आखों के नीचे पड़ रही हैं झाइयां, तो ये घरेलू नुस्खे आपके आ सकते हैं काम। एक बार जरूर ट्राई करके देखें। उम्र बढ़ने के साथ-साथ त्वचा में बहुत सारे बदलाव आते हैं। आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स आना या फिर झाइयां पड़ना भी इन्हीं में से एक। यह दिक्कत आम तौर पर हर किसी को उम्र के 35वें पड़ाव पर पहुंचते-पहुंचते हो जाती है। खासतौर पर 40 की उम्र की महिलाओं के चेहरे पर आपको एजिंग स्पॉट्स नजर आए जाएंगे। ब्यूटी एक्सपर्ट डॉक्टर भारती तनेजा कहती हैं, ₹ आंखों के नीचे का हिस्सा गतिशील नहीं होता है, इसलिए एजिंग स्पॉट्स आने की सबसे ज्यादा संभावनाएं वहीं होती हैं। इसलिए आपको चेहरे की मसाज नियमित करनी चाहिए और आप रसोई में मौजूद कुछ चीजों का भी प्रयोग कर सकती हैं। ₹ एज फैक्टर के अलावा इसके दो कारण हो सकते हैं। पहले तो यह कि आंखों के नीचे आप मसाज नहीं करती हैं और दूसरा यह कि आप बहुत ज्यादा धूप में रहती हैं। दरअसल, धूप में रहने की वजह से त्वचा में मेलेनिन ज्यादा बनने लगता है और

इससे चेहरे पर डार्क स्पॉट्स उभर आते हैं। एलोवेरा जेल और गुलाबजल को मिक्स करके आइस ट्रे में मिश्रण को डालें और आइस क्यूब्स बना लें। फिर आप इन आइस क्यूब्स को आंखों के नीचे लगाएं। नियमित रूप से आप 5 मिनट ऐसा करें। इससे आपकी आंखों के नीचे के डार्क सर्कल्स और स्पॉट्स दोनों ही गायब हो जाते हैं। ग्रीन-टी के पानी में नींबू के रस की 5 बूंद मिक्स करें और इसे ठंडा कर लें। फिर आप इस मिश्रण में कॉटन बॉल्स को डिप करें और इस मिश्रण को आंखों के आस-पास लगाएं। इस मिश्रण को आप लगा छोड़ सकती हैं।

कार्नर न्यूज

पुरुषों के लिए फैशन में ऑप्शन कम, चुनें सावधानी से

जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग के लिए अपनाइए स्टाइलिश और मिनिमल लुक, मुड़-मुड़ कर देखेंगे लोग

कुछ फैशन जेंडर न्यूट्रल होते है। जिसमें आत्मविश्वास, आराम और बेहतरीन लुक बराबर मिलेगा। मगर कुछ खास टिप्स आजमाने के बाद। ऐसे मौके पर पुरुष इन्हें अपना सकते हैं जब उनके पास विकल्प कम हो।

जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग ऐसी होती है जो किसी एक जेंडर को नहीं दिखाती है। बल्कि इसे किसी भी जेंडर के फैशन में शामिल किया जा सकता है। इसको आजमाने के लिए आपने भी इरादा किया है तो चलिए खास टिप्स जान लीजिए-

सफेद शर्ट सबकी फेवरेट

सफेद शर्ट के साथ जींस आपने कई बार पहनी होगी। लेकिन क्या कभी सोचा है कि ये लुक जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग का ही हिस्सा है। सफेद शर्ट किसी भी बॉटम पर चल जाती है और अच्छी भी सभी पर लगती है। अगर आपको थोड़ा स्टाइलिश लगना है तो इसके ऊपर के दो चार बटन खोले भी जा सकते हैं।

जेंडर न्यूट्रल एसेसरीज

जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग के लिए आप एसेसरीज का सहारा भी ले सकते हैं। ये वो एसेसरीज हैं जो किसी भी जेंडर की ड्रेसिंग में आराम से शामिल हो जाते है। इन एसेसरीज को पहचान लीजिए-सस्पेंडर बेसबॉल कैप स्कार्फ बेल्ट जैकेट के लिए पिन टाई सनग्लासेस

3.ब्लेजर हैं बेस्ट

ब्लेजर ऐसा पहनावा हैं जो किसी भी ड्रेसिंग में आराम से शामिल हो जाते हैं। ये किसी भी लुक को बेहतर करने में मदद भी करते हैं। इसलिए अगर आप जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग कर रहे हैं तो एक अच्छा डार्क कलर का ब्लेजर आप पर बहुत अच्छा लगेगा।

डबल स्लीव्स वाला फैशन

कुछ साल पहले तक ये फैशन काफी इन था। इसमें फुल स्लीव की टीशर्ट के ऊपर हाफ स्लीव टी शर्ट पहनी जाती थी। इसके साथ कार्गो का ढीला ढाला लुक काफी अच्छा लगता था।

ये पूरा लुक भी जेंडर न्यूट्रल है। इसको आप पहनिए और जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग अपनाइए। इसमें कोशिश कीजिए दोनों में से एक टी शर्ट डार्क कलर की तो एक टी शर्ट हलके रंग की हो। नीचे वाली हलके रंग में अच्छी लगेगी।

ग्राफिक जींस भी तो हैं न

ग्राफिक जींस भी ऐसी होती हैं जो हर जेंडर पर सूट करती हैं। इसको कई बार लोग थोड़ी ढीली पहनते हैं और इसके साथ स्किनी जींस से लुक पूरा करते हैं।

लेकिन ये टी शर्ट स्ट्रेट जींस के साथ भी बेहतरीन लगती हैं। लेकिन हां, इन टी शर्ट के साथ ब्लू जींस पहनकर आप ऊब चुके हैं तो आप ग्रे जींस भी चुन सकते हैं। ग्रे जींस के साथ हलके रंग की टी शर्ट ही नहीं डार्क कलर की टीशर्ट भी अच्छी लगती हैं। ग्राफिक का लुक आप खुद ही चुन सकते हैं। इस लुक पर फ्लोरोसेंट कलर वाली टीशर्ट भी अच्छी लगती हैं। इसलिए अगर अभी तक आप इन रंगों को पहनने से बचते थे तो अब ऐसा न कीजिए। अब इनको भी लुक में आराम से शामिल कीजिए।